शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 3.00 ■ वर्ष 03 ■ अंक 259 ■ पृष्ठ 08

गौतमबुद्ध नगर

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 दमघोंटू हवा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती | 07 प्रीमियर लीग: आर्सेनल ने 5 अंक की बढ़त हासिल की | धनुष-कृति की 'तेरे इश्क में' बनी 100 करोड़ की ग्लोबल हिट 08

रूस के राष्ट्रपति पुतिन दो दिन के दौरे पर दिल्ली पहुंचे, प्रधानमंत्री मोदी ने हवाईअड्डे पर किया स्वागत

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार शाम को दो दिन के दौरे पर नयी दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य लगभग आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करना है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता को लेकर बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से शाम पुतिन के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी की। दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता का मुख्य विषय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों में सहयोग की संभावनाओं की तलाश जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा। इस बैठक पर पश्चिमी देशों द्वारा करीबी नजर रखे जाने की संभावना है। रूसी नेता का नयी दिल्ली का लगभग 27 घंटे का दौरा इसलिए और भी अहम हो गया है क्योंकि यह भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से आ रही गिरावट की पृष्ठभूमि में हो रहा है। बैठक के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उम्मीद है। दोनों नेताओं के बीच बैठक से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में पुतिन का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। बैठक हैदराबाद हाउस में होगी, जहां मोदी राष्ट्रपति पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए भोज का आयोजन किया और इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी होगी।

मामले से परिचित लोगों के अनुसार, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। बैठक के बाद पुतिन रूसी सरकारी प्रसारक का नया 'इंडिया चैनल' भी शुरू करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में दिए जाने वाले राजकीय भोज में शामिल होंगे। रूसी नेता के शुक्रवार रात करीब नौ बजे भारत से रवाना होने की संभावना है।

इंडिगो की देश भर में 300 से अधिक उड़ानें रद्द, परिचालन संकट गहराया

मुंबई। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रहने से 300 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया जबकि कई उड़ानें देर से रवाना हुईं। इस वजह से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि दोपहर तक दिल्ली में इंडिगो की 95, मुंबई में 85, हैदराबाद में 70 और बेंगलुरु में 50 उड़ानें रद्द की गईं। अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें रद्द होने और देरी से संचालित होने की बात सामने आई है। देश के छह प्रमुख हवाई अड्डों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद के संयुक्त आंकड़ों के आधार पर एयरलाइन की समयपालन दर बुधवार को गिरकर 19.7 प्रतिशत पर आ गई जबकि दो दिसंबर को यह 35 प्रतिशत थी। समय पर उड़ानों के संचालन के लिए चर्चित इंडिगो के उड़ान प्रबंधन में आई इतनी बड़ी गिरावट पर यात्रियों के साथ विमानन क्षेत्र के हितधारक भी सवाल उठा रहे हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ानों में हो रही भारी देरी और रद्दीकरण को गंभीरता से लेते हुए एयरलाइन से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है।

नियामक ने कहा कि वह मौजूदा स्थिति की जांच कर रहा है और परिचालन सामान्य करने के उपायों पर एयरलाइन से चर्चा कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि इंडिगो हाल के दिनों में चालक दल की भारी किल्लत का सामना कर रहा है। दरअसल उड़ान ड्यूटी की सीमा तय करने वाले नए एफडीटीएल नियम लागू होने के बाद से ही एयरलाइन चालक दल की कमी का सामना कर रही है। नए नियमों के तहत पायलटों के लिए साप्ताहिक विश्राम समय बढ़ाया गया है और रात में लैंडिंग की संख्या सीमित की गई है ताकि उड़ान सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।

इंडिगो परिचालन को सामान्य बनाने में जुटी, समय पर संचालन का लक्ष्य आसान नहीं: सीईओ एल्बर्स

परिचालन संकट से गुजर रही इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि विमानन कंपनी का तात्कालिक लक्ष्य परिचालन को सामान्य करना एवं सेवाओं का समय पर संचालन करना है लेकिन यह कोई आसान लक्ष्य नहीं है। एल्बर्स ने कर्मचारियों को दिए संदेश में यह स्वीकार किया कि एयरलाइन ग्राहकों को हवाई यात्रा का अच्छा अनुभव प्रदान करने के अपने वादे पर खरी नहीं उतर सकी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले तीन दिनों से परिचालन संबंधी गंभीर व्यवधानों से जूझ रही है। बृहस्पतिवार को उसने 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं जबकि कई उड़ानें विलंबित रहीं। इस पृष्ठभूमि में जारी अपने संदेश में एल्बर्स ने कहा कि पिछले कुछ दिन इंडिगो के कई ग्राहकों और सहकर्मियों के लिए मुश्किल भरे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रतिदिन करीब 3,80,000 ग्राहकों को सेवाएं देते हैं और चाहते हैं कि उनमें से प्रत्येक को अच्छा अनुभव मिले। हम पिछले कुछ दिनों में अपने वादे पर खरे नहीं उतर पाए और इसके लिए हमने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। इंडिगो के सीईओ ने कहा कि छोटी-मोटी प्रौद्योगिकी गड़बड़ियां, समय-सारिणी में बदलाव, प्रतिकूल मौसम की स्थिति, विमानन परिवेश में बढ़ती भीड़ तथा हाल ही में जारी एफडीटीएल मानदंडों के कार्यान्वयन सहित कई परिचालन चुनौतियों ने परिचालन पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

शारजाह से हैदराबाद पहुंची इंडिगो की उड़ान में बम विस्फोट की धमकी

हैदराबाद। हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर शारजाह से आने वाली इंडिगो की उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला, जिसके बाद अधिकारियों ने विमान के उतरने पर मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल को सक्रिय कर दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उड़ान संख्या 6ई 1422 यहां अपराह्न तीन बजकर 15 मिनट पर सुरक्षित उतरी। सूत्रों ने बताया कि चार दिसंबर, 2025 को हैदराबाद हवाई अड्डे के ग्राहक सहायता आईडी पर अपराह्न दो बजे शारजाह-हैदराबाद उड़ान संख्या 6ई 1422 के लिए बम की धमकी वाला ईमेल मिला। विमान अपराह्न तीन बजकर 15 मिनट पर हैदराबाद में सुरक्षित उतर गया।

तंबाकू पर बढ़ेगा टैक्स

संसद ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 को दी मंजूरी

नई दिल्ली। संसद ने गुरुवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया, जिसे राज्यसभा ने मंजूरी देकर लोकसभा को वापस भेज दिया। लोकसभा ने बुधवार को ही केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पास कर दिया था। साथ ही राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित हो गई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में आज केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कानून के अलग-अलग पहलुओं पर बात की और अलग-अलग सदस्यों के सवालों के जवाब दिए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इससे पहले केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 को विचार के लिए राज्यसभा में पेश किया था। निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल को इस सरकार ने कभी नजरअंदाज नहीं किया है। असल में यह टीएमसी सरकार है, जो पश्चिम बंगाल के विकास को नुकसान पहुंचा रही है।₹ ₹पश्चिम बंगाल ने जनवरी 2019 में आयुषमान भारत स्कीम से नाम वापस ले लिया। क्या यह बंगाल के लिए अच्छा है? इंडस्ट्री पश्चिम बंगाल छोड़ रही हैं।

वित्त मंत्री ने विधेयक पर चर्चा के दौरान सदन को यह भी बताया कि किसानों को तंबाकू छोड़ने और दूसरी कैश क्रॉप्स उगाने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब जीएसटी लागू हुआ, तो तंबाकू और तंबाकू से जुड़े उत्पाद पर टैक्स, सेस के साथ भी हर साल डब्ल्यूएचओ के तय बेंचमार्क तक नहीं पहुंच पाया, जिसका नतीजा है तंबाकू उत्पादों की सामर्थ्य सूचकांक ऊंचा बना हुआ है, जिससे पब्लिक हेल्थ के लक्ष्य कमजोर हो रहे हैं। सीतारमण ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि ₹49 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड बीड़ी कामगार हैं। उन्होंने कहा, ₹किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे तंबाकू को छोड़ कर दूसरी नगदी फसलें उगाएं। आंध्र, बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, यूपी और पश्चिम बंगाल में ऐसा किया जा रहा है। इन राज्यों में 1 लाख एकड़ से ज्यादा भूमि पर तंबाकू उगाना छोड़ कर दूसरी फसलें उगाई जा रही हैं। श्रम मंत्रालय उनके कल्याण के लिए योजनाएं चला रहा है। उनके लिए अस्पताल और दवाखाने चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब 2017 में वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी लाया गया था, तो यह तय हुआ था कि अगर राज्यों का रेवेन्यू एक तय लेवल से नीचे चला जाता है, तो उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तब केंद्र सरकार ने कहा था कि सिर्फ़ टोकन के तौर पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क के तहत उन चीजो के लिए बहुत कम रकम इकट्ठा की जाएगी और पूरी रकम जीएसटी मुआवज़े में चली जाएगी। क्योंकि ये चीजें 28 फीसदी स्लैब के तहत थीं, इसलिए इसके अलावा, मुआवजा सेस भी इकट्ठा किया गया, जिससे राज्यों की इनकम में बढ़ोतरी हो सके। ये विधेयक केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में बदलाव के लिए लाया गया है। यह एक्ट भारत में बने या बनाए गए सामान पर 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क' को लगाने और वसूलने का प्रावधान करता है। इस विधेयक को लाने का मकसद तंबाकू और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क' के रेट को बदलना है, ताकि इन उत्पादों पर टैक्स मौजूदा स्तर पर ही रहे।

संक्षिप्त खबरें

यूपी, बिहार और हरियाणा के 22 ठिकानों पर NIA की छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और बिहार में एक साथ 22 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश से बिहार के विभिन्न हिस्सों में अवैध गोला-बारूद की तस्करी से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की अलग-अलग टीमों ने तड़के संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की। फिलहाल किसी भी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। एनआईए की ओर से बताया गया है कि इस कार्रवाई से जुड़े विस्तृत तथ्य बाद में साझा किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में लोहा कारोबारियों के यहां आयकर विभाग की छापेमारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गुरुवार सुबह कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार विभाग की अलग-अलग टीमों ने लोहा और जमीन कारोबारियों से जुड़े कुल 24 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई सिलतरा और उरला स्थित फैक्ट्रियों में चल रही है। छापेमारी में आईटी की टीम के साथ 100 से अधिक सीआरपीएफ जवान भी मौजूद हैं। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार है कि सिलतरा स्थित इस्पात इंडिया के संचालक आनंदम निवासी विनोद सिंगला के प्रतिष्ठानों पर जांच जारी है। वे एमएस पाइप निर्माता भी हैं। इसके अलावा अरविंद अग्रवाल सिग्नेचर होम्स, मैग्नेटो मॉल के पीछे आनंदम निवासी रवि बजाज के घर के साथ ओम स्पंज के ठिकानों पर भी रेड की खबर है।

देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में पुरुष व महिला गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी पाकिस्तान के जासूसों तक पहुँचाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार आरोपितों में एक महिला और एक पूर्व आर्मी जवान शामिल है। इस पूरे ऑपरेशन में गुजरात एटीएस ने दो अलग-अलग राज्यों में कार्रवाई करते हुए रश्मिन रवींद्र पाल नाम की महिला जासूस को दमन से गिरफ्तार किया। जबकि भारतीय सेना में सूबेदार रहे एके सिंह को गोवा से पकड़ा। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपित पाकिस्तान की जासूसी एजेंसियों के संपर्क में थे।

आरबीआई आज करेगा मौद्रिक नीति की घोषणा

रेपो दर में कटौती पर निगाहें

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में लिए गए निर्णयों की घोषणा करेगा। विशेषज्ञों ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती किए जाने की उम्मीद जताई है। आरबीआई की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बयान के मुताबिक, गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करेंगे।

अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति पर एमपीसी की बैठक बुधवार को शुरू हुई थी। यह बैठक घटती मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तेज वृद्धि, डॉलर के मुकाबले रुपये के 90 के पार जाने और मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों की पृष्ठभूमि में हो रही है। खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट के बीच आरबीआई ने फरवरी से रेपो दर में तीन किस्तों में कुल एक प्रतिशत की कटौती की है। हालांकि पिछली दो बार से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है लेकिन खुदरा मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट ने प्रमुख अल्पकालिक ऋण दर में कटौती की अतिरिक्त गुंजाइश पैदा कर दी है। आरबीआई गवर्नर ने भी पिछले महीने कहा था कि नीतिगत ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश है। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की संस्थापक लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन ने कहा कि मौजूदा रेपो दर एक साल पहले की 6.5 प्रतिशत दर से काफी नीचे है। अक्टूबर में मुद्रास्फीति एक दशक के अपने सबसे निचले स्तर 0.25 प्रतिशत पर रही और थोक मूल्यों में 1.21 प्रतिशत की गिरावट आई है। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को दिए जाने वाले लगभग 70 प्रतिशत ऋण सीधे रेपो दर से जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि नीतिगत माहौल में सुधार के बावजूद, ऋण का अंतर अब भी व्यापक है और कार्यान्वयन स्तर पर वित्त तक पहुंच अब भी कठिन है।

राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज के पति और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वराज कौशल के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मिजोरम के पूर्व राज्यपाल, पूर्व संसद सदस्य और एक प्रतिष्ठित कानूनी विशेषज्ञ स्वराज कौशल के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी बेटी और सांसद बांसुरी स्वराज, परिवार के अन्य सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि स्वराज कौशल के गुजर जाने से दुख हुआ। उन्होंने एक वकील और ऐसे इंसान के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाई, जो कानूनी पेशे का इस्तेमाल जरूरतमंदों की जिंदगी बेहतर बनाने में करते थे। उन्होंने आगे लिखा कि वे भारत के सबसे कम उम्र के राज्यपाल बने और अपने कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर गहरी छाप छोड़ी। एक सांसद के तौर पर उनकी समझ भी काबिले-तारीफ थी। इस दुख की घड़ी में मेरी दुआएं उनकी बेटी बांसुरी और परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ हैं।

नौसेना ने तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम तट पर 'समुद्री शक्ति' का प्रदर्शन किया

सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट पर अपनी परिचालन क्षमता और समुद्री क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान नौसेना की दुर्जेय युद्ध क्षमताओं, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और परिचालन तत्परता को जीवंत करने के साथ ही देश की बढ़ती समुद्री शक्ति और आत्मनिर्भरता को भी दर्शाया गया। बतौर मुख्य अतिथि आने पर भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को 150 जवानों ने औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया और स्वागत नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने किया।

सेना दिवस पर हुए इस कार्यक्रम को केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों, वरिष्ठ केंद्रीय एवं राज्य के सरकारी अधिकारियों, सैन्य अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने देखा। इस ऑपरेशन डेमो में अग्रिम पंक्ति के प्लेटफार्मों ने समन्वित युद्धाभ्यास का एक रोमांचक प्रदर्शन किया, जो नौसेना की समुद्री क्षेत्र में शक्ति और सटीकता प्रदान करने की क्षमता का प्रतीक था। स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत सहित बीस से अधिक नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों ने हवाई संपत्तियों और मरीन कमांडो के साथ नौसेना की ताकत और परिचालन उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन किया। समुद्र तट पर ऑपरेशन डेमो में नौसेना की समुद्री उत्कृष्टता और एक विश्वसनीय बल के रूप में इसकी अटल भूमिका को रेखांकित किया गया जो महासागरों में विश्वास प्रेरित करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के दौरान बीएलओ की मौत पर चिंता जताई

काम का बोझ कम करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में लगे बीएलओ को राहत दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एसआईआर वाले राज्यों को निर्देश दिया है कि बीएलओ पर दबाव कम करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती करें। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर कोई बीएलओ व्यक्तिगत कारणों से एसआईआर का कार्य करने में सक्षम नहीं है, तो उचित कारणों की स्थिति में उन्हें राहत देने पर विचार किया जाए। किसी दूसरे को काम पर लगाया जाए।

कोर्ट ने साफ किया कि राहत न मिलने की स्थिति में संबंधित बीएलओ कोर्ट का रुख भी कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एसआईआर के दौरान अगर किसी बीएलओ की मौत होती है, तो मुआवजे के लिए बाद में अर्जी दाखिल की जा सकती है। कोर्ट में तमिल अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की ओर से दाखिल याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। याचिका में मांग की गई है कि एसआईआर के दौरान अगर बीएलओ की ओर से कोई गलती होती है, तो उसके लिए निर्वाचन आयोग को जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 32 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करने से रोका जाए। टीवीके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में बीएलओ पर कई एफआईआर दर्ज कराई है। उन बीएलओ में अधिकांश आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षक हैं।

उन्होंने कहा कि बीएलओ सुबह अपने मूल ड्यूटी पर जाते हैं, उसके बाद विशेष गहन पुनरीक्षण के काम में लग जाते हैं। यूपी में एक बीएलओ को अपनी शादी में जाना था और उसने छुट्टी मांगी थी। उसे निलंबित कर दिया गया, जिसके बाद उसने फांसी लगा ली। तब उच्चतम न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग खुद काम नहीं कर सकता और इसके लिए राज्य सरकार की मदद लेनी होगी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि बीएलओ पर एसआईआर के काम का डाला जा रहा दबाव एक हकीकत है। आखिरकार यूपी जैसे बड़े राज्य में केवल एक महीने ही क्यों दिए जा रहे हैं, जबकि विधानसभा का चुनाव 2027 में होना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की मिस्ट स्प्रे सिस्टम की शुरुआत

प्रदूषण नियंत्रण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को धूल नियंत्रण के लिए आईटीओ पर नए मिस्ट स्प्रे सिस्टम की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया और अधिकारियों से इसके संचालन, असर तथा क्षेत्र में धूल कम होने की प्रगति पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदूषण प्रबंधन के बारे में बताया कि दिल्ली में स्वच्छता, धूल नियंत्रण और कचरा प्रबंधन को लेकर सरकार का व्यापक अभियान बिना रुके जारी है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार हर मोर्चे पर मिशन मोड में कार्यरत है। वरिष्ठ अधिकारियों तथा आईआईटी एवं पर्यावरण से जुड़े विशेषज्ञों की एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया जा रहा है, जो लगातार प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को निर्देश दिया गया है कि प्रदूषण और सफाई में कोताही बरतने वाले सरकारी संस्थानों पर तत्काल चालान काटकर भारी जुर्माना वसूला जाए। बिना अनुमति रोड कटिंग करने और उसे समय पर न भरने वाले संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने बताया कि हर दिन हजारों किलोमीटर सड़कों को धूल-मुक्त किया जा रहा है। हॉटस्पॉट वाले क्षेत्रों में विशेष टीमें तैनात हैं, जो त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर रही हैं। दिल्ली सरकार प्रदूषण कम करने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी एजेंसियां दिन-रात काम कर रही हैं, ताकि राजधानी की हवा को स्वच्छ बनाया जा सके। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकार नौ ज्यादा प्रदूषण वाली जगहों पर 305 'मिस्ट स्प्रेयर' लगाएगीः मुख्यमंत्री गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 'मिस्ट स्प्रे' तकनीक को लागू करने के मकसद से एक व्यापक योजना तैयार कर रही है। गुप्ता ने आईटीओ पर स्थापित 'मिस्ट स्प्रेयर' का निरीक्षण किया और कहा कि दिल्ली के नौ प्रमुख प्रदूषण स्थलों पर 305 मिस्ट स्प्रेयर स्थापित करने का काम किया जा रहा है। 'मिस्ट स्प्रेयर' मुख्य रूप से धूल को हवा में फैलने से रोकने के लिए पानी के सूक्ष्म कणों का छिड़काव करता है जिससे धूल के कण नीचे बैठ जाते हैं। गुप्ता ने कहा कि 'मिस्ट' प्रौद्योगिकी को प्रदूषण के खिलाफ एक प्रभावी समाधान के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के कुछ क्षेत्रों में 'मिस्ट स्प्रेयर' के परीक्षणों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, "हम दिल्ली की सभी सड़कों पर 'मिस्ट स्प्रे' मशीन लगाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार कर रहे हैं। आईटीओ पर 35 खंभों में लगाए गए 'मिस्ट स्प्रेयर' अच्छे परिणाम दे रहे हैं।" गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण के समाधान पर दिल्ली सरकार को सलाह देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जा रही है।

श्री शिव कुमार शास्त्री जी महाराज ने श्रद्धालु श्रोताओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया

नई दिल्ली। बुराड़ी के झडौदा माजरा स्थित श्री राम मंदिर, शनि बाजार रोड श्री हरि एनक्लेव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा एवं मूर्ति स्थापना में शिव कुमार शास्त्री जी महाराज ने श्रद्धालु श्रोताओं को भागवत कथा का रसपान कराया। इस कथा का आयोजन पंडित सुनील कुमार शास्त्री द्वारा किया गया था तथा भागवत कथा में यजमान के रूप में अंतराम बंसीवाल व श्रीमती पुष्पा देवी थी। श्रीमद् भागवत कथा को सुनने के लिए झडौदा माजरा के काफी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे। आज की कथा में श्री राम व कृष्ण जन्मोत्सव की लीला का उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया। यहां पर पिछले 30 नवम्बर से ही श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वृन्दावन से आए श्री शिव कुमार शास्त्री जी महाराज द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है। शिव कुमार षास्त्री जी महाराज द्वारा श्रोताओं के बीच श्रमद् भागवत कथा के साथ निम्न प्रकार से ज्ञान युक्त कथा का वर्णन किया। इस कार्यक्रम से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। कथा के आयाजेक पंडित सुनील कुमार शास्त्री ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को पहलाद के धैर्य व सत्य के प्रति निष्ठा से प्रेरणा लेनी चाहिए। श्रीमद् भागवत कथा यह सिखाती है कि किसी के बारे में राय बनाने से पहले उसे गहराई से समझना आवश्यक है, उन्होंने यह भी कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करने की प्रतिवर्ष कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में झडौदा माजरा के वासियों का सहयोग सराहनीय रहा। कथा के समापन पर हवन व विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

पूर्वी दिल्ली में एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करने के आरोप में दो नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में 38 वर्षीय एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करने के आरोप में दो नाबालिगों को पकड़ा है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। तीस नवंबर को पीड़ित इमरान अली को चाकू लगने के कारण लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस टीम को दिये बयान में इमरान ने बताया कि उसके परिचित दो नाबालिग तथा दो अन्य ने झगड़े के दौरान उस पर चाकू से हमला किया। अधिकारी ने बताया, ३एक टीम ने संदिग्धों की तलाश शुरू की। गुप्त सूचना के आधार पर टीम मजबूर नगर कैंप पहुंची, जहां हमले में शामिल दो नाबालिगों का पता लगाया गया और उन्हें पकड़ लिया गया। दोनों नाबालिगों ने चाकू मारने की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। अधिकारी ने बताया कि शेष दो लड़कों की तलाश जारी है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली हवाई अड्डे और कई अन्य राज्यों से ईंधन चोरी करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली हवाईअड्डे सहित कई स्थानों पर पाइपलाइनों से ईंधन चोरी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि आरोपियों की पहचान सरदार सिंह और उसके बहनोई रिंकू के रूप में हुई है, जिन्होंने दिल्ली, हरियाणा, असम, पंजाब और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में ऐसी चोरियों को अंजाम दिया है। गौतम ने बताया कि राजस्थान पुलिस ने इस वर्ष ईंधन चोरी करने के आरोप में दोनों के ही खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। उन्होंने बताया कि दोनों ही इस मामले में फरार थे और उन पर 25,000 रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार सरदार 19 मामलों में आरोपी है जिसमें 1992 में दिल्ली हवाई अड्डे पर चोरी का पहला मामला भी शामिल है। गौतम ने बताया कि दोनों आरोपी राष्ट्रीय राजधानी में छिपे हुए थे और उनकी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।

दिल्ली में एक तस्कर 71 पेटी अवैध शराब के साथ धरा गया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नयी दिल्ली जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 71 पेटी अवैध शराब जब्त की है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को वंदेमातरम मार्ग के पास गश्त कर रही पुलिस टीम ने रात करीब नौ बजकर 40 मिनट पर शंकर रोड गोलचक्कर के पास देखा कि एक मिनी ट्रक को उसका चालक लापरवाही से चला रहा है। अधिकारी ने बताया, "जब रुकने का इशारा किया गया, तो चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन कुछ दूर पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया गया। जांच के दौरान, टीम ने 618 लीटर अवैध शराब बरामद की, जिस पर केवल हरियाणा में बिक्री के लिए लिखा था।" अधिकारी का कहना है कि चालक बिजेंद्र शराब की इस खेप के पक्ष में वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। बिजेंद्र हरियाणा के झज्जर का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, बिजेंद्र पहले भी दिल्ली में इसी तरह के चार मामलों में शामिल रहा है।

दिल्ली के सीमापुरी में गोलीबारी में वांछित व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सीमापुरी में एक घर पर कथित गोलीबारी के करीब छह हफ्ते बाद हत्या के प्रयास के इस मामले में वांछित 23 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी जतिन हरियाणा के फरीदाबाद स्थित उसके मामा के घर से पकड़ा गया, जहां वह गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपा हुआ था। पुलिस के अनुसार सीमापुरी में 22 अक्टूबर को चार-पांच हथियारबंद लोग मोटरसाइकिल पर सलीम के घर के बाहर पहुंचे और पहली मंजिल की बालकनी की ओर कई राउंड गोलियां चलाईं, जहां सलीम और उसकी पत्नी खड़े थे। पुलिस का कहना है कि एक टीम ने संदिग्धों की तलाश शुरू की। तकनीकी निगरानी के ज़रिए उसने फरीदाबाद में आरोपी जतिन का पता लगा लिया। उसने उस जगह पर छापा मारकर जतिन को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने जतिन ने कथित तौर पर अपने साथियों--आदित्य, आदित्य (दूसरा भी आदित्य) और जाफर के साथ गोलीबारी में शामिल होने की बात कबूल की। पुलिस का कहना है कि उसने पुलिस को बताया कि गोलीबारी के बाद वे लोग उत्तर प्रदेश की ओर भाग गये और बाद में पकड़े जाने से बचने के लिए अलग-अलग हो गये।

पुलिस ने नाइजीरियाई ड्रग तस्कर को दबोचा

कोर्ट ने पहले ही घोषित किया था भगोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के वेस्ट डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है, जिसे साकेत कोर्ट ने पिछले साल भगोड़ा अपराधी घोषित कर रखा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 30 वर्षीय म्बे चुकवुमा क्रिश्चियन के रूप में हुई है। वह मूल रूप से नाइजीरिया के अनंबरा राज्य का रहने वाला है और दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में रहता था।

मंगलवार (3 दिसंबर) को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यह आरोपी सुबह 9:30 बजे से 10:15 बजे के बीच तिलक नगर स्थित पेस्ट्री पैलेस में किसी से मिलने आने वाला है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्य के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में एएसआई ऋषि, हेड कांस्टेबल दिनेश, हेड कांस्टेबल दीपक और कांस्टेबल दिनेश शामिल थे। टीम ने पेस्ट्री पैलेस के आसपास घेराबंदी की और ठीक समय पर आरोपी को दबोच लिया। जब उसका रिकॉर्ड चेक किया गया तो पता चला कि उसके खिलाफ 2019 में महरौली थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। यह मामला एनडीपीएस एक्ट (मादक पदार्थ कानून) की धारा 21 के तहत था। जमानत मिलने के बाद उसने कोर्ट में हाजिर होना बंद कर दिया था, जिसके चलते 20 जनवरी 2024 को साकेत कोर्ट की स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट ने उसे भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया था। आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे जल्द ही संबंधित कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां अब उस पर भगोड़ा अपराधी के तहत भी कार्रवाई होगी।

दिल्ली पुलिस वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी शरद भास्कर ने बताया कि यह ऑपरेशन एसीपी ऑपरेशंस की निगरानी में और उनकी पूरी टीम की मेहनत से सफल हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ड्रग तस्करी करने वाले विदेशी नागरिकों पर पुलिस की पैनी नजर है और ऐसे भगोड़ों को जल्द से जल्द पकड़ा जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बेहद खराब, दिल्ली में AQI 304

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लगातार बेहद खराब बना हुआ है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 304 दर्ज किया गया। इसके अलावा राजधानी के आसपास के इलाकों में भी प्रदूषण गंभीर स्तर पर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बागपत में 307, गाजियाबाद में 302, ग्रेटर नोएडा में 285, गुरुग्राम में 293, हापुड़ में 336 और नोएडा में 308 का वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज हुआ। सभी शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, 5 दिसंबर को आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह हल्का कोहरा रहेगा और अलग-अलग

स्थानों पर शीत लहर का प्रभाव देखने को मिलेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 4 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा दिनभर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। मौसम विभाग के अनुसार 6 दिसंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिन और रात में हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। सीपीसीबी के मानदंडों के अनुसार, 0 से 50 तक एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बेहद खराब और 401 से 500 गंभीर माना जाता है। दिल्ली में कुल वायु प्रदूषण में वाहनों का योगदान 20.45 प्रतिशत, पराली जलाने का 1.97 प्रतिशत, निर्माण और ध्वंस गतिविधियों का 3.10 प्रतिशत और आवासीय क्षेत्रों का 5.30 प्रतिशत है।

दिल्ली में कैंसर के बढ़ते मामलों पर सरकार की लापरवाही गंभीर चिंता का विषयः देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। आईसीएमआर-नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम की नवीनतम रिपोर्ट में राजधानी दिल्ली में कैंसर के लगातार बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्था की खस्ताहाली को उजागर कर दिया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राजधानी में कैंसर के मरीजों की संख्या हर वर्ष भयावह रूप से बढ़ रही है, जो दिल्ली की बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं का स्पष्ट संकेत है। वर्ष 2024 में जहां 28,387 नए कैंसर मामले दर्ज किए गए, वहीं 2023 में यह संख्या 27,561 और 2022 में 26,735 थी। उन्होंने कहा कि कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही रोगी अपने भविष्य को अंधकारमय समझने लगता है, परन्तु दिल्ली की पिछली आम आदमी पार्टी सरकार और वर्तमान भाजपा सरकार दोनों ही इस बीमारी के उपचार हेतु अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। इन सरकारों की उदासीनता के कारण न तो पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हैं और न ही विशेषज्ञ अस्पताल स्थापित किए जा सके हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कैंसर के मामले चिंताजनक हैं। वर्ष 2024 में देशभर में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर मरीज दर्ज हुए, जबकि जनसंख्या के अनुपात में दिल्ली का आंकड़ा सबसे अधिक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार राजधानी की प्रदूषित हवा, तनाव, धूल कण, जीवनशैली से जुड़े जोखिम और प्रदूषण कैंसर बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। देर से निदान होने के कारण मरीजों की संख्या नित बढ़ती जा रही है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को प्रदूषण नियंत्रण हेतु स्थायी उपाय करने होंगे और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को राजधानी में व्यापक कैंसर जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जहरीली हवा फेफड़ों के कैंसर का जोखिम कई गुना बढ़ा रही है। कैंसर उपचार की अत्यधिक लागत को देखते हुए सरकार को चाहिए कि वह सरकारी अस्पतालों में स्क्रीनिंग सुविधाएँ बढ़ाए, उपचार के आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए और मुफ्त दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थ, तंबाकू और शराब का सेवन भी कैंसर के बड़े कारणों में शामिल है, जिनकी बिक्री से सरकार को भारी राजस्व प्राप्त होता है, इसलिए सरकार का दायित्व है कि वह कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत चिकित्सा ढाँचा स्थापित करे। प्राइवेट अस्पतालों में महंगे उपचार के कारण गरीब मरीज इलाज कराने में असमर्थ हैं, जबकि सरकारी अस्पतालों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सरकार की लापरवाही के कारण कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की नकली दवाइयाँ खुलेआम बेची जा रही हैं, जिससे मरीजों को उपचार के बजाय मौत मिल रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में कैंसर मरीजों की संख्या हर वर्ष बढ़ रही है, परन्तु दिल्ली सरकार ने न दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की है और न उपचार की उन्नत सुविधाएँ विकसित की हैं।

साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद यमुना की सफाई अधूरीः शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में यमुना नदी की सफाई को लेकर तीन वर्षों में साढ़े पाँच हजार करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। रोहताश नगर के पूर्व विधायक विपिन शर्मा ने कहा कि चाहे आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकार हो या वर्तमान ट्रिपल इंजन सरकार-दोनों ही यमुना की सफाई के उद्देश्य को लेकर पूरी तरह विफल रही हैं।

विपिन शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल हर वर्ष दावा करते रहे कि अगले साल वह स्वच्छ यमुना में जनता के साथ डुबकी लगाएंगे, लेकिन यह दावा लगातार झूठा साबित हुआ। चुनाव बीत गए, सरकार बदल गई, परंतु यमुना की स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने भी विधानसभा चुनाव में यह वादा किया था कि उनकी सरकार बनते ही यमुना सफाई के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की जाएगी, मगर दस माह बीतने के बाद भी कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया।

पूर्व विधायक ने बताया कि केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों ने भी स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। राज्यसभा में दिए गए लिखित उत्तर के अनुसार यमुना में बढ़ते प्रदूषण की मुख्य वजहें हैं-सीवेज प्रबंधन में गहरी कमी, उपचार संयंत्रों की परियोजनाओं में देरी, तथा ठोस कचरे की अपर्याप्त रीसाइक्लिंग क्षमता। मंत्रालय के अनुसार पिछले तीन वर्षों में दिल्ली जल बोर्ड ने यमुना सफाई पर 5,536 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन अगस्त 2025 तक 414 एमएलडी सीवेज का उपचार अब भी नहीं हो पा रहा था। कई औद्योगिक क्षेत्रों में साझा ईटीपी (अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र) तक उपलब्ध नहीं हैं, जबकि मौजूदा परियोजनाओं को उन्नत और पूर्ण करने में लगातार विलंब हो रहा है। इसके अलावा, दिल्ली में प्रतिदिन 11,862 टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जबकि उसकी रीसाइक्लिंग क्षमता केवल 7,641 टन प्रतिदिन है। इस प्रकार 4,221 टन कचरा प्रतिदिन बिना रीसाइक्लिंग के यमुना में पहुँचकर प्रदूषण को और बढ़ाता है। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने भी इन तथ्यों को संसद में स्वीकार किया। विपिन शर्मा ने कहा कि पूर्व सरकार अक्सर केंद्र से सहयोग न मिलने का हवाला देती थी, लेकिन अब तो राजधानी में केंद्र, राज्य और निगम-तीनों स्तरों पर एक ही दल की सरकार है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने विकासपुरी फ्लाईओवर के पास से दो अपराधी दबोचे, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए पश्चिम दिल्ली के दो कुख्यात हथियारबंद अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी इलाके में दहशत फैलाने और आपराधिक दबदबा बनाने के लिए कई बार खुलेआम फायरिंग कर चुके हैं। डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ये दोनों बदमाश विकासपुरी फ्लाईओवर के पास आने वाले हैं। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की डब्ल्यूआर-1 टीम ने तुरंत कार्रवाई की। इंस्पेक्टर अखिलेश बाजपेयी के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए दोनों अपराधी पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों में सक्रिय थे। पुलिस के अनुसार, ये लोग इनके नाम से ही डरते थे। ये आए दिन गैंगवार, फिरौती और खुली फायरिंग की घटनाओं को अंजाम देते थे। इलाके के व्यापारियों और आम लोगों में इनकी दहशत इतनी थी कि कोई खुलकर शिकायत करने से भी डरता था। अब इनकी गिरफ्तारी से लोगों ने राहत की सांस ली है। यह पूरी कार्रवाई एसीपी सतेन्द्र मोहन की निगरानी में और डीसीपी क्राइम हर्ष इंदौरा के दिशा-निर्देशन में हुई। टीम में शामिल सभी पुलिसकर्मियों ने रात-दिन की मेहनत से इस सफलता को हासिल किया। डीसीपी हर्ष इंदौरा ने कहा कि दिल्ली पुलिस का अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। चाहे कोई कितना भी बड़ा बदमाश हो, कानून के हत्थे चढ़ना तय है। आरोपियों से पूछताछ में कई और चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है। पुलिस को शक है कि इनके पास से बरामद हथियारों का इस्तेमाल हाल की कुछ फायरिंग की घटनाओं में किया गया था। दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्व दिव्यांग दिवस पर भव्य समारोह

नई दिल्ली। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर पूर्वांचल विचार मंच द्वारा "दिव्यांगता : समावेशीकरण एवं अधिकारिता" विषय पर आयोजित भव्य कार्यशाला सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी का शक्तिशाली मंच साबित हुई, जिसमें राजनीति, प्रशासन, स्वास्थ्य और सामाजिक संगठनों के दिग्गजों की उपस्थिति ने इसे विशिष्ट बना दिया। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश रमण झा ने कहा कि यह दिवस दिव्यांगजनों के लिए नई ऊर्जा और अधिकारों की दिशा तय करने का अवसर है तथा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित 6 प्रमुख मांगों का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। विधायकों वीर सिंह धींगान, संजय गोयल और अजय महावर ने दिव्यांग हित में योजनाओं के जमीन पर क्रियान्वयन, उपकरणों की उपलब्धता और पेंशन समाधान का आश्वासन दिया, जबकि दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा और नेता सदन प्रवेश वाही ने कहा कि दिव्यांगों का सम्मान और सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. विकास, डॉ. अमितेश अग्रवाल और डॉ. नरोत्तम दास ने दिव्यांगजन स्वास्थ्य सुविधाओं और चुनौतियों पर महत्वपूर्ण सुझाव रखे। कार्यक्रम में 82 से अधिक समाजसेवियों, चिकित्सकों, पत्रकारों और जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया, जिनमें डॉ. छवि गुप्ता, अरुण शर्मा, दीपक सागर, संकी खुराना, विजय वर्मा, डॉ. गौरव शर्मा, शशि किरण झा, रीना शर्मा, साजिद चौधरी, सुनील मित्तल और सुनील झा शामिल रहे।

नोएडा में 40 करोड़ से बनेगा डियर पार्क

10 प्रजातियों के 132 हिरण लाए जाएंगे

फाइल फोटो

नोएडा। नोएडा डियर पार्क नोएडा में जंगल ट्रेल के बाद अब डियर पार्क का निर्माण किया जाएगा। इसका डिजाइन तैयार हो चुका है और इस पार्क के निर्माण पर 40 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निर्माण के लिए 15 दिनों में टेंडर जारी किया जाएगा, जिसकी फाइनल मंजूरी मुख्य कार्यपालक अधिकारी देंगे। इस परियोजना में हिरणों के लिए बाड़ा, वाटर बॉडी, फेंसिंग, लाइटिंग और ग्रीन एरिया का निर्माण किया जाएगा। ज्ञात हो एक दिसंबर को नोएडा में जंगल ट्रेल का शुभारंभ किया गया था, जहां लोहे के कबाड़ से बनाए गए जंगली जानवरों को रखा गया है। लोग यहां आकर मनोरंजन कर रहे हैं। इसी क्रम में बायोडायवर्सिटी पार्क में डियर पार्क बनाने की प्रक्रिया को तेज किया गया है। टेंडर जारी होने और काम आवंटित होने के एक साल के भीतर पार्क का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। यहां एयरपोर्ट से रेस्क्यू किए गए हिरणों को भी रखा जाएगा, जबकि धनौरी वेटलैंड के पास एक रेस्क्यू सेंटर भी बनाया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने बताया कि नोएडा, गाजियाबाद और आसपास में ऐसा डियर पार्क नहीं है। इसलिए यहां डियर पार्क बनाया जा रहा है। इसके लिए नियुक्त किए गए सलाहकारों से बातचीत की जा रही है। ताकि विदेश से लाए जाने वाले हिरण के लिए यहां का पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सके।

सनसेट सफारी में स्पेक्ट्रम लाइट होंगी प्रयोग

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि करीब 30 एकड़ में मिनी-जू की तर्ज पर इस डियर पार्क को बनाने में करीब 40 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह जिले की पहली सनसेट सफारी होगी। इसमें रात करीब 10 बजे तक लोग स्पेक्ट्रम लाइट की रोशनी में हिरण व जलीय पक्षियों को देख सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि स्पेक्ट्रम लाइट में वहां पर मौजूद जानवरों को अंधेरा ही लगेगा। वहीं जो लोग सनसेट सफारी में पहुंचेंगे उनको स्पष्ट दिखाई देगा।

अफ्रीका और प्रदेश के चिड़ियाघर से आएंगे हिरण

नोएडा में 10 प्रजातियों के 132 हिरण लाए जाएंगे। इसमें तीन प्रजाति अफ्रीका से एक्सपोर्ट की जाएंगी। इसके अलावा कानपुर, हैदराबाद और लखनऊ के चिड़ियाघर से यहां हिरण लाए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा में अंतरराज्यीय गिरोह दबोचा, 3 चोर गिरफ्तार, चोरी की 6 बाइकें और फर्जी नंबर प्लेट बरामद

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अतिरिक्त, एक अवैध चाकू और फर्जी नंबर प्लेट भी जब्त की गई हैं। पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए इन तीनों आरोपियों को स्पेक्ट्रम कॉलेज के पीछे एक कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई गिरोह के खिलाफ लंबे समय से चल रही जांच का हिस्सा थी। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह काफी समय से सक्रिय था और मुख्य रूप से भीड़भाड़ वाले इलाकों तथा पार्किंग स्थलों से दोपहिया वाहनों को निशाना बनाता था। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी चोरी किए गए वाहनों को सस्ते दामों पर बेच देते थे या उनके पुर्जों को अलग-अलग करके बाजार में अवैध रूप से बेचते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संदीप पुत्र उपेंद्र, करीम खान उर्फ गुल्ला पुत्र सलीम खान और प्रिंस पुत्र सरवन के रूप में हुई है। ये सभी दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने बताया कि ये चोर चोरी की मोटरसाइकिलों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमते थे, ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सकें। इनके आपराधिक इतिहास की जांच करने पर पता चला कि गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में इनके खिलाफ चोरी और अन्य अपराधों के कई गंभीर मामले पहले से ही दर्ज हैं। फिलहाल, पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क के बारे में आगे की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

14 वर्षीय छात्रा लापता

नोएडा। उप्र के नोयडा में थाना फेस -3 क्षेत्र से 14 वर्षीय छात्रा लापता हो गई है। उसके पिता ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। थाना फेस -3 के प्रभारी निरीक्षक पुनीत कुमार ने बताया कि बीती रात को एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सिक्योरिटी गार्ड के पद पर एक कंपनी में काम करते हैं। पीड़ित के अनुसार 2 दिसंबर को वह ड्यूटी पर गए थे। उसी दिन शाम के समय उनके मकान की देखभाल करने वाले गुड्डू नाम के व्यक्ति ने फोन किया कि तुम्हारी 14 वर्षीय बेटी घर से बैग लेकर निकल गई है, तथा अपने 7 वर्षीय भाई को घर पर छोड़ गई है। काफी ढूंढने के बाद भी वह मिल नहीं रही है। पीड़ित के अनुसार उनकी 14 वर्षीय बेटी राधे पब्लिक स्कूल मामूरा में सातवीं कक्षा में पढ़ती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के महामाया फ्लाइओवर के पास गुरुवार दोपहर बाइक पर सवार होकर जा रहे युवक को ट्रक ने टक्कर मार दिया। इस घटना में युवक का सिर ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। उसका सिर कुचल गया। पुलिस मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आज दोपहर को थाना क्षेत्र के महामाया फ्लाईओवर के पास बाइक से जा रहे एक युवक को ट्रक ने टक्कर मार दिया। टक्कर लगने के बाद बाइक अनियंत्रित होकर गिर गयी। युवक का सिर ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। इस वजह से उसका सिर पूरी तरह से कुचल गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। उसके पास से कोई दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ है। उसका मोबाइल फोन लॉक है। उन्होंने बताया कि पुलिस मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इस घटना के चलते महामाया फ्लाईओवर पर काफी लंबा जाम लग गया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। ट्रक चालक फरार है। उन्होंने बताया कि पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

प्रॉपर्टी विवाद पर मां-बेटे पर हमला, युवक गंभीर घायल, दिल्ली रेफर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के चचूला गांव में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर हुए हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक सोनू को उसकी मां के मामा के बेटों ने लाठी-डंडों से पीटा। उसे गंभीर हालत में ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए दिल्ली के एक अस्पताल में रेफर कर दिया। पीड़ित सोनू ने बताया कि वह अपनी मां के मायके चचूला में रहता है। बुधवार रात प्रॉपर्टी विवाद को लेकर आरोपियों ने उसकी मां और उसके साथ मारपीट की थी। इस घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने गुरुवार सुबह दोबारा मां-बेटे पर हमला कर दिया। इस हमले में सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसकी मां को भी चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से घायल सोनू को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों के खिलाफ जल्द ही उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध अवस्था में मिला शव, आंखों के पास चोट के निशान

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे के मुख्य बाजार में गुरुवार सुबह एक दुकान के बाहर संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने पाया कि मृतक की आंखों के पास चोट के स्पष्ट निशान थे, जिससे अनहोनी की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान दनकौर निवासी राजू के रूप में हुई है, जो क्षेत्र में मजदूरी करता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि राजू को बुधवार देर शाम तक काम करते देखा गया था। हालांकि, देर रात उसके साथ क्या हुआ, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। सुबह बाजार खुलने पर दुकान के बाहर उसका शव मिलने से लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मानवता हुई शर्मसार: सौतेले पिता ने दो मासूम बच्चों को हत्या के इरादे से बड़े नाले में फेंका

सौतेले पिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार, दो युवकों ने नाले में कूदकर बचाई जान

नोएडा। उप्र के नोएडा में मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। एक सौतेले पिता ने अपने दो मासूम बच्चों की हत्या करने की नीयत से उन्हें गहरे नाले में फेंक दिया। वहां से गुजर रहे बहूराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाले दो लोगों को उनकी रोने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए कड़ाके की ठंड में गहरे नाले में उतरकर बच्चों को बाहर निकाला और उनकी जान बचाई।

दोनों बच्चों में एक ढाई वर्ष की लड़की और साढे तीन साल का एक लड़का है। बच्चों की जान बचाने वाले व्यक्ति ने उसके सौतेले पिता के खिलाफ थाना सेक्टर 142 में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने आज उसे गिरफ्तार कर लिया है। थाना सेक्टर 142 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि बीती रात को सोमबीर सिंह पुत्र रमेश चंद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह तथा उनके साथी दीनबंधु जेप्टो कंपनी में काम करते हैं। उनके अनुसार वह बीती रात को 9 बजे के करीब चौहान मार्केट तिराहे के पास से गुजर रहे थे। तभी पारस टियेरा सोसाइटी के पास बड़े नाले से बच्चों की रोने की आवाज आई। उन्होंने बताया कि वह तथा उनके साथी दीनबंधु बच्चों की जिधर से रोने की आवाज आ रही थी वहां पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि गहरे नाले के पानी में दलदल में दो मासूम बच्चे फंसे हुए हैं, तथा जोर-जोर से रो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों लोगों ने कड़ाके की ठंड में गहरे नाले के दलदल और पानी में फंसे दोनों बच्चों को बाहर निकाला। बच्चों ने अपना नाम नित्तर व कलू बताया। उन्होंने बताया कि नित्तर ढाई वर्ष की बच्ची है, जबकि कलू साढे तीन वर्ष का बच्चा है।

दोनों ने बताया कि वे भाई-बहन हैं। बच्चों ने उन्हें बताया कि उनके पापा आशीष द्वारा उन्हें जान से मारने की नीयत से नाले में फेंका गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सोमबीर ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में सोमबीर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने बच्चों के सौतेले पिता आशीष के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आज उसे गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा: निर्माणाधीन प्लाट पर फायरिंग, मिस्त्री घायल, हत्या का प्रयास

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र में निर्माणाधीन एक प्लाट पर काम कर रहे लोगों के ऊपर चार लोगों ने ताबड़तोड़ गोली चलाकर हत्या का प्रयास किया। इनके द्वारा चलाई गई गोली एक मिस्त्री (मजदूर) के पैर में लगी है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि राकेश पुत्र हंसराज ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्होंने आदर्श इंटर कॉलेज के पास एक प्लाट खरीदा है। उस पर वह अपने भाई पवन, भतीजे आर्यन के साथ मिस्त्री और मजदूर लगाकर नींव की भराई करवा रहे थे, तभी वहां पर गजेंद्र प्रसाद अपने बेटे के साथ आया और कहने लगा कि यह प्लाट हमारा है। हम काम करने नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि पीड़ति के अनुसार उसने कहा कि अगर प्लाट आपका है तो अपना कागज दिखा दो। इस बात से आक्रोशित गजेंद्र ने मौके पर कुछ लोगों को फोन करके बुलाया। वे लोग काले रंग की स्कॉर्पियो कार में सवार होकर आए। आते ही उन्होंने अपने हाथों में लिए पिस्टल से फायरिंग करनी शुरू कर दी। पीड़ति तथा उनके परिवार के लोग और वहां काम कर रहे मिस्त्रियों व मजदूरों ने इधर-उधर भाग कर अपनी जान बचाई। इसी बीच उनके द्वारा चलाई गई गोली उनके यहां काम कर रहे मिस्त्री अमित पुत्र देवी राम के पैर में लग गई। उन्होंने बताया कि अमित को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने सुनीत, यीशु उर्फ विवेक मांगलिक, राहुल तथा अरुण के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

हनी ट्रैप में फंसाकर अविवाहित अधेड़ से पांच लाख की लूट

नोएडा। नोयडा में एक अविवाहित 51 वर्षीय व्यक्ति को दो लड़कियों ने हनीट्रैप में फंसाकर शादी का वादा किया तथा उन्हें मिलने के लिए ग्रेटर नोएडा के एक पार्क में बुलाया। वहां पर उन्होंने उनके साथ मारपीट कर उनके पास रखे हुए 5 लाख रुपए लूट लिया। पीड़ित के अनुसार वह पहले लड़कियों को 50 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर चुका है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गौतम ने बताया कि गांव भनोता खेड़ी के रहने वाले विकल सिंह पुत्र दिना सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी उम्र 51 वर्ष है। वह अविवाहित है। पीड़ित के अनुसार कुछ दिन पहले उनके मोबाइल फोन पर एक फोन आया। उधर से एक लड़की बोल रही थी। उसने अपनी मीठी-मीठी बातों में उन्हें फंसाया तथा शादी का वादा किया। पीड़ित के अनुसार जो लड़की बात कर रही थी उसकी सहेली बनकर एक अन्य लड़की भी उससे बात करने लगी। दोनों लड़कियों का नाम विनिक्षा और खुशी है। पीड़ित के अनुसार उन्होंने उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसाया तथा धीरे-धीरे करके ऑनलाइन उनसे अपने खाते में 50 हजार रुपए डलवा लिया। फोन पर बात करने के दौरान उन्होंने कहा कि आपसे शादी करेंगी। पीड़ित के अनुसार एक युवती ने उनसे कहा की शादी से पहले गोवा घूमने चलते हैं। इसके लिए टिकट आदि बुक करनी है, जिसमें करीब 5 लाख रुपए का खर्च होगा। पीड़ित के अनुसार वह लड़कियों के साथ गोवा घूमने के लालच में आ गए तथा उनके द्वारा बताए गए कासना के निहाल देव पार्क में 29 नवंबर को पहुंचे। पीड़ित के अनुसार दोनों लड़कियां आई। उनसे मीठी-मीठी बातें कर रही थी। इसी बीच दो लड़के वहां पर आए। उन्होंने उनके साथ मारपीट करते हुए उनके पास रखे हुए 5 लाख रुपए ले लिए। दोनों लड़की और लड़कों ने कहा कि अगर तुम इस बात का कहीं जिक्र करोगे तो तुम्हारी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। पीड़ित के अनुसार वह इस बात से घबरा गए तथा उन्होंने इस बात को किसी को नहीं बताया। पीड़ित के अनुसार बीती रात को जब उनके भतीजे ने उनसे 5 लाख रुपए का हिसाब मांगा तो वह हिसाब देने में विफल रहे। उन्होंने अपने भतीजे को आपबीती बताई। मीडिया प्रभारी ने बताया कि पीड़ित ने बुधवार की रात को थाना कासना में पहुंचकर शिकायत की है। इस मामले में थाना कासना पुलिस ने विनिक्षा, खुशी और दो अज्ञात लड़कों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2),115(2),61(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

शेयर मार्केट में ट्रेडिंग का झांसा देकर आर्किटेक्ट से 11 करोड़ 99 लाख की ठगी

गौतमबुद्ध नगर। शेयर मार्केट में ट्रेडिंग का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने एक आर्किटेक्ट को अपने जाल में फंसा कर उससे 11 करोड 99 लाख रुपये की ठगने का मामला सामनो आया है। पुलिस ने केस दर्ज की घटना की जांच शुरू कर दी है। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने गुरुवार को बताया कि इंद्रपाल चौहान पुत्र प्रताप सिंह चौहान निवासी सेक्टर 47 ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 17 अक्टूबर को क्यारा शर्मा नाम की एक महिला का उनके मोबाइल फोन पर मैसेज आया। उसने उन्हें शेयर मार्केट में इन्वेस्ट कर लाभ कमाने का सुझाव दिया। पीड़ित के अनुसार वह महिला की बातों में आ गए तथा उन्हें महिला ने एक ग्रुप से जोड़ा और उन्हें एक लिंक भेजा। इसके माध्यम से उन्होंने एक एप डाउनलोड कर लिया। पीड़ित के अनुसार उन्हें 17 नवंबर को उक्त ग्रुप से रिमूव कर दिया गया। तथा एक अन्य ग्रुप से जोड़ा गया, जिसमें काफी लोग शेयर मार्केट में इन्वेस्ट कर रहे थे। वे लोग शेयर मार्केट में पैसा लगाने के बाद हुए फायदे की स्क्रीनशॉट भी डाल रहे थे। उन्हें विश्वास हो गया कि इस ग्रुप के लोग शेयर मार्केट में पैसा इन्वेस्ट कर काफी मुनाफा कमा रहे हैं। पीड़ित के अनुसार वह लालच में आ गए। उनसे भी इन्वेस्ट करने के लिए कहा गया और 15 फीसदी गारंटी से प्रतिदिन रिटर्न का लोभ दिया गया । पीड़ित ने बताया कि उन्होंने कई बार में 11 करोड़ 99 लाख 50 हजार रुपये उनके खाते में डाल दिया।पीड़ित इंद्रपाल के अनुसार शुरुआती दौर में आरोपितों ने उनके इन्वेस्टमेंट पर लाभ के रूप में 9 लाख रुपये का रिटर्न दिया। बाद में जब उन्होंने पैसे निकालने की बात कही तो टैक्स आदि के रूप में उनसे 17 करोड रुपये की मांग की गई। उसके बाद पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। अपर उपायुक्त ने बताया कि जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई है ,उन बैंक खातों की जानकारी कर जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

बिना अधिकार की बेची रेडिसन ब्लू होटल की मेंबरशिप, 40 लाख की ठगी

थाना बीटा- दो में रेडिसन ब्लू होटल के एक अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी कंपनी के साथ तीन लोगों ने धोखाधड़ी कर करीब 40 लाख रुपए की ठगी कर ली है। थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात को संजय कुमार गुप्ता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मैसर्स विक्टोरा हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि है। उनके अनुसार उनकी कंपनी रेडिसन ब्लू होटल ग्रेटर नोएडा साइट -4 में संचालित करती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार उन्होंने अपने होटल के मेंबरशिप बेचने के लिए, प्रचार प्रसार करने और ग्राहक प्रबंधन का दायित्व एक कंपनी के दो निदेशकाएं सोनिया मित्रा और गीता रानी को सौपा था। उनके अनुसार जांच में पता चला कि गीता रानी के पति आशीष वर्मा भी इनके साथ संचालन में संलिप्त थे। उन्हीं के मेल से सारा पत्राचार होता था। उन्होंने आरोप लगाया है कि 3 वर्ष की एग्रीमेंट की अवधि समाप्त होने के बावजूद भी इन लोगों ने धोखाधड़ी करके उनके होटल की मेंबरशिप कई लोगों को बेची। बाद में ग्राहकों ने जब उनसे संपर्क किया तो इस धोखाधड़ी का पता चला। उनके अनुसार करीब 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी उनकी कंपनी के साथ की गई है, और ग्राहकों को धोखा दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रेटर नोएडा: लापता युवक मनीष की हत्या, शव खेरली नहर में फेंका गया

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के अस्तौली गांव से पांच दिन पहले लापता युवक की उसके ही दोस्तों ने हत्या कर शव खेरली नहर में फेंक दिया है। पुलिस ने शव की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने उसके आरोपी दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अस्तौली गांव निवासी मनीष 29 नवंबर की शाम पतला खेड़ा और अस्तौली गांव निवासी दो दोस्तों के साथ कार लेकर निकला था।

बिलासपुर कस्बे के पास 30 नवंबर को मनीष का फोन सड़क से बरामद हुआ था। उसके परिजनों ने 30 नवंबर की शाम को ही दनकौर कोतवाली में मनीष की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने लापता युवक की तलाश शुरू की। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर दो दिसंबर को खेरली नहर पर प्रदर्शन किया था। पुलिस ने फोन कॉल की डिटेल के आधार पर मनीष के दोनों दोस्तों को तलाश कर उन्हें हिरासत में ले लिया।

अस्तौली निवासी भारत और पतला खेड़ा निवासी बॉबी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने शराब के नशे में मनीष की हत्या कर दी और शव को खेरली नहर में फेंक दिया। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन और पुलिस मिलकर खेरली नहर में शव की तलाश कर रहे हैं। इस संबंध में दनकौर थाने के प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। नहर में पानी कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने संभावना व्यक्त की है कि जल्द ही मृतक का शव बरामद कर लिया जाएगा। मनीष की हत्या करने का आरोप जिन दोस्तों भारत और बॉबी पर लगा है, वे दोनों मौसेरे भाई हैं। बताया जा रहा है कि कई वर्षों से मनीष का उनके यहां आना-जाना था। पुलिस के अनुसार तीनों ही शराब और नशे के आदी थे। मनीष अपने पिता नारायण सिंह की इकलौती संतान था।

पिता खेतीबाड़ी का काम करते हैं। मनीष भी उनके साथ खेतीबाड़ी करता था। उसका जिन दोस्तों के पास आना-जाना था, वे शराब और नशे के आदी थे। मनीष भी अक्सर उनके यहां आता-जाता था। फरवरी में मनीष की शादी होने वाली थी। घर के लोग शादी की तैयारी कर रहे थे। मनीष की हत्या की सूचना से परिजन और रिश्तेदार सदमे में हैं।

दो अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, लाखों रुपए कीमत का मादक पदार्थ बरामद

नोएडा। नोएडा पुलिस ने दो जगहों से दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 74 किलो बेशकीमती अवैध गांजा बरामद किया है। ये बदमाश काफी दिनों से अवैध रूप से गांजा के खरीद फरोख्त में संलिप्त थे। पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम यमुना प्रसाद ने बताया कि बीती रात को एक सूचना का आधार पर थाना फेस वन पुलिस ने झुंडपुरा बॉर्डर के पास से नेताई सरकार नामक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि यह एक ई-रिक्शा में गांजा लेकर जा रहा था। इसके पास से पुलिस ने 64 किलो गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे को ₹गोल्डन गांजा ₹कहा जाता है। उन्होंने बताया कि इसकी कीमत बाजार में ज्यादा होती है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित पश्चिम बंगाल से गांजा तस्करी करके लाता है, तथा एनसीआर में बेचता है। डीसीपी ने बताया कि एक अन्य मामले में थाना सेक्टर 24 पुलिस को आज सुबह को एक सूचना के आधार पर मोहम्मद इमरान को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 10 किलो गांजा बरामद किया है। आरोपी काफी दिनों से गांजा तस्करी के धंधे में संलिप्त है। उन्होंने बताया कि बरामद गांजे की कीमत करीब 30 लाख रुपए है।

संपादकीय

मुनीर का क्या होगा ?

पाकिस्तान के तनाव, संकट और विस्फोटक हमलों के सिलसिले अभी थमे नहीं हैं। फिलहाल यह अच्छी खबर सामने आई है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जिंदा हैं। उनसे 20 मिनट की मुलाकात के बाद बहिन डॉ. उज़्मा खानुम ने पुष्टि की कि उनकी सेहत ठीक लगती है, लेकिन उन्हें मानसिक प्रताडना दी जा रही है। उन्हें लगभग पूरा दिन जेल के 'सेल' में बंद, अकेले रखा जाता है। किसी से कोई बातचीत नहीं, लिहाजा इमरान बहुत गुस्से में हैं। इन हालात के लिए उन्होंने आसिम मुनीर को दोषी करार दिया है। बहरहाल पाकिस्तान की सियासी, फौजी, हुकूमती पटकथा यहीं समाप्त नहीं होती, बल्कि यहां से नया मोड़ लेती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ही संसद में 27वां संविधान संशोधन पारित कराया था और फील्ड मार्शल मुनीर के लिए 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' (सीडीएफ) का नया पद सृजित किया था। मुनीर को पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' बनाने की प्रक्रिया थी, क्योंकि संविधान संशोधन के बाद उन्हें राष्ट्रपति से भी ताकतवर बनाया जाना था। उन्हें सेनाओं का 'नया सुप्रीम कमांडर' भी बनाया जाना था। उनके खिलाफ कोई अदालती, कानूनी केस दायर नहीं किया जा सकता, ऐसी छूट भी उन्हें दी जानी थी, लेकिन मुनीर प्रशासनिक तौर पर 'तानाशाह' एक सरकारी अधिसूचना जारी होने के बाद ही बन पाते। प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बड़े भाई, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने खेला करा दिया। मुनीर यह खेला समझ नहीं पाए अथवा इससे बड़ा खेला उन्होंने सोच रखा है! मुनीर सेना प्रमुख के पद से 29 नवंबर को रिटायर हो गए और सीडीएफ की अधिसूचना जारी नहीं हुई, क्योंकि प्रधानमंत्री शहबाज बहरीन, यमन के प्रवास के बाद लंदन चले गए। वहां तीन दिन रहे। कहा जाता है कि वहां उन्होंने अपने मेडिकल टेस्ट कराए। पाकिस्तान लौटे, तो लाहौर में उतरे और बड़े भाई नवाज के साथ गुफ्तगू की। उसी दौरान मुनीर को लेकर रणनीति तय की गई, क्योंकि 'तानाशाह' बनाने की आलोचना दुनिया भर में हो रही है। यह मामला संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के स्तर पर उठाया गया। रूस और चीन ने भी आगाह किया, क्योंकि वे किसी भी कीमत पर अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत को हटा कर अमरीका का दोबारा हस्तक्षेप नहीं चाहते। चूंकि मुनीर विधिवत रूप से रिटायर हो गए और नई नियुक्ति तय नहीं हुई, लिहाजा संवैधानिक और सरकारी तौर पर मुनीर आज किसी भी पद पर नहीं हैं। प्रधानमंत्री शहबाज इस्लामाबाद भी लौट आए, लेकिन मंगलवार रात्रि तक उन्होंने सीडीएफ की फाइल पर दस्तखत नहीं किए थे, लिहाजा अधिसूचना भी जारी नहीं की जा सकी। प्रधानमंत्री ने मुनीर से मुलाकात भी नहीं की। क्या इसके मायने साफ हैं कि मुनीर के 'तानाशाह' बनने के मंसूबे अधर में ही लटक कर रह गए हैं?

दमघोंटू हवा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

अब नियमित सुनवाई से जुड़ेगी दिल्ली की सांसों की लड़ाई

सबसे गंभीर पहलू यह है कि लोग दिल्ली को छोड़ने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। 80 प्रतिशत लोग मानते हैं कि अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो उन्हें शहर छोड़ना पड़ सकता है, और 37 प्रतिशत लोग तो राजधानी से बाहर प्रॉपर्टी तलाशना भी शुरू कर चुके हैं। महानगर की अर्थव्यवस्था, रोजगार बाजार और सामाजिक संरचना पर इसका दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। देश की राजधानी अगर नागरिकों को सुरक्षा नहीं दे पाए, तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता है बल्कि भविष्य के शहरी भारत के लिए एक बड़ी चेतावनी है। दिल्ली की खराब हवा केवल वयस्कों या बुजुर्गों के लिए ही हानिकारक नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों को जन्म से पहले ही अपने दुष्प्रभावों में घेर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, विषैली हवा में लंबे समय तक रहने से नवजात शिशुओं में कई तरह की जन्मजात बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी इसका खतरनाक असर पड़ता है। कम वजन वाले बच्चों का जन्म, समय से पहले डिलीवरी और फेफड़ों के विकास में बाधा जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं।

-कांतिलाल मांडोत-

दिल्ली एनसीआर की हवा इन दिनों सिर्फ प्रदूषित नहीं, बल्कि जीवन पर सीधा आक्रमण करती हुई महसूस हो रही है। ऐसे विषाक्त माहौल में आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने कठोर रुख अपनाया है। अदालत ने यह साफ कर दिया कि प्रदूषण को लेकर औपचारिक लिस्टिंग या प्रतीकात्मक सुनवाई से काम नहीं चलने वाला। अब इस मामले में नियमित और लगातार सुनवाई होगी, ताकि समस्या की तह तक जाकर समाधान के रास्ते खोजे जा सकें। मगर अदालत का यह सख्त स्वर भी इस कड़वे सच को खारिज नहीं करता कि प्रदूषण किसी एक आदेश से खत्म होने वाला संकट नहीं है। जैसा कि सीजेआई ने कहा-कोई आदेश दें और अगले दिन साफ हवा मिल जाए, ऐसा नहीं हो सकता। इस टिप्पणी में पूरे संकट का सार छिपा है। समस्या सबको पता है, पर समाधान शासन, प्रशासन और वैज्ञानिकों के ठोस कदमों पर निर्भर है। दिल्ली की हवा का हाल इस समय भयावह स्तर पर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गुरुवार को राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 349 रहा। यह स्तर सीधे तौर पर 'गंभीर' श्रेणी में आता है। इसका अर्थ है कि हवा में मौजूद जहरीले कण शरीर के हर हिस्से पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। पिछले कुछ वर्षों में नवंबर, दिसंबर अब त्योहारों और सर्दियों की शुरुआत का मौसम नहीं रह गया, बल्कि प्रदूषण की चरम स्थिति का संकेत बन चुके हैं। इस बार भी हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि लोग घरों के भीतर कैद होने को मजबूर हो गए हैं।

ताज़ा सर्वे बताते हैं कि लगभग 76 प्रतिशत लोग लगातार घरों में दुबके हुए हैं, क्योंकि बाहर निकला जाना अब स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ जैसा महसूस होता है। 80 प्रतिशत नागरिकों को लगातार खांसी, गले में जलन, थकान, सांस में भारीपन और आंखों में चुभन जैसी समस्याएँ हो रही हैं। इन दिक्कतों के कारण 69 प्रतिशत लोग कम से कम एक बार डॉक्टर के पास जा चुके हैं। यह स्थिति किसी अस्थायी परेशानी का संकेत नहीं बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य आपदा का चित्रण है। एक ऐसी आपदा जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वास्थ्य आपातकाल कहकर संबोधित किया है।

सबसे गंभीर पहलू यह है कि लोग दिल्ली को छोड़ने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। 80 प्रतिशत लोग मानते हैं कि अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो उन्हें शहर छोड़ना पड़ सकता है, और 37 प्रतिशत लोग तो राजधानी से बाहर प्रॉपर्टी तलाशना भी शुरू कर चुके हैं। महानगर की अर्थव्यवस्था, रोजगार बाजार और सामाजिक संरचना पर इसका दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। देश की राजधानी अगर नागरिकों को सुरक्षा नहीं दे पाए, तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता है बल्कि भविष्य के शहरी भारत के लिए एक बड़ी चेतावनी है। दिल्ली की खराब हवा केवल वयस्कों या बुजुर्गों के लिए ही हानिकारक नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों को जन्म से पहले ही अपने दुष्प्रभावों में घेर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, विषैली हवा में लंबे समय तक रहने से नवजात शिशुओं में कई तरह की जन्मजात बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी इसका खतरनाक असर पड़ता है। कम वजन वाले बच्चों का जन्म, समय से पहले डिलीवरी और फेफड़ों के विकास में बाधा जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। यह स्थिति उस स्तर की है जहां हवा सिर्फ एक पर्यावरणीय चुनौती नहीं रही, बल्कि यह मानव विकास और भविष्य की पीढ़ियों को प्रभावित करने वाला संकट बन चुकी है। इन हालातों में नागरिकों का यह मानना स्वाभाविक है कि सरकारें प्रदूषण के खिलाफ 'राजनीतिक इच्छा शक्ति' नहीं दिखा रहीं। कई लोगों की धारणा है कि यह संकट हर साल दोहराया जाता है, पर कार्रवाई का स्तर हमेशा सीमित और देरी से होता है। चाहे पराली जलाने का मामला हो, औद्योगिक धुआं, डीज़ल वाहनों का उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल या शहरी कचरे का गलत प्रबंधन, हर तरफ कठोर और स्थायी नीति बनाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार इसी निष्क्रियता पर गहरी टिप्पणी भी है। अदालत ने साफ कहा कि उनके पास कोई जादू की छड़ी नहीं है जिसे घुमाते ही दिल्ली-एनसीआर की हवा साफ हो जाएगी। समाधान सरकारों, विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के पास है, जिन्हें दीर्घकालिक रणनीति बनाकर तुरंत अमल शुरू करना होगा। अदालत की नियमित सुनवाई भले ही इस मामले में जवाबदेही तय करने का एक महत्वपूर्ण मंच बने, पर असली लड़ाई जमीन पर ही लड़ी जाएगी। जहाँ कानूनों का सख्ती से पालन, उत्सर्जन पर वास्तविक नियंत्रण और प्रदूषण फैलाने वाले स्त्रोतों पर निर्णायक कार्रवाई ही कारगर सिद्ध हो सकती है। दिल्ली की हवा को साफ करने की दिशा में अभी तक ज्यादातर उपाय अल्पकालिक दिखते रहे हैं। जैसे स्कूल बंद करना, वाहनों पर प्रतिबंध लगाना, निर्माण गतिविधियों को रोकना आदि। लेकिन ये कदम समस्या को केवल कुछ दिनों के लिए कम करते हैं, खत्म नहीं। दीर्घकालिक उपायों पर सरकारें धीमी दिखती हैं। विशेषज्ञ वर्षों से सुझाव दे रहे हैं कि दिल्ली-एनसीआर को एक साझा हवा प्रबंधन क्षेत्र की तरह चलाना होगा, जहाँ पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली मिलकर नीतियाँ बनाएं और लागू करें। पराली प्रबंधन, शहरी नियोजन, सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, औद्योगिक उत्सर्जन पर नियंत्रण, हरित क्षेत्रों का विस्तार ये सभी कदम व्यापक और निरंतर प्रयास की मांग करते हैं। यह भी सच है कि नागरिकों का व्यवहार भी इस लड़ाई में बराबर की भूमिका निभाता है। निजी वाहनों में अनावश्यक यात्राएँ, पटाखों का अत्यधिक उपयोग, कचरे का खुले में जलना, पेड़-पौधों की उपेक्षा, ये सब व्यक्तिगत स्तर पर ऐसे व्यवहार हैं जिन्हें बदलना समय की जरूरत है। हवा को साफ करना केवल सरकारों या अदालतों का दायित्व नहीं, बल्कि यह 2 करोड़ से अधिक लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर व्यक्तिगत प्रयास तभी प्रभावी होंगे जब सरकारें बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएं और प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। आज अदालत का सख्त रुख दिल्ली वालों में उम्मीद जगाता है कि शायद अब इस समस्या को गंभीरता से लिया जाएगा। नियमित सुनवाई का मतलब है कि सरकारी एजेंसियों को अदालत के प्रश्नों का नियमित रूप से सामना करना पड़ेगा, और यह दबाव वास्तविक कार्रवाई में बदल सकता है। लेकिन यह भी समझना होगा कि समाधान वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों की सलाह से ही निकलेंगे और उन पर अमल तभी होगा जब राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत होगी।

दिल्ली की हवा का संकट केवल एक मौसम की समस्या नहीं है। यह देश की राजधानी की प्रतिष्ठा, जनता के स्वास्थ्य, बच्चों के भविष्य और शहर की आर्थिक समृद्धि का प्रश्न है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी और सख्त टिप्पणी एक प्रकार से अंतिम संकेत है कि अब समय हाथ से निकलता जा रहा है। अब यह कहना पर्याप्त नहीं कि प्रदूषण एक जटिल समस्या है। बल्कि अब जरूरत है कि इसे खत्म करने के लिए जटिल लेकिन आवश्यक कदम उठाए जाएं। और ये कदम तभी जमीन पर असर दिखाएंगे जब सरकारें वैज्ञानिकों के साथ मिलकर दीर्घकालीन नीति बनाएं, और उसे बिना किसी राजनीतिक दबाव या वोट बैंक की चिंता के लागू करें।

घुसपैठ पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत आज एक ऐसी चुनौती से जूझ रहा है जिसे राजनीतिक शोरगुल और मानवीय दलीलों की आड़ में अक्सर दबा दिया जाता है, जबकि उसकी तीक्ष्णता लगातार बढ़ रही है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की बढ़ती संख्या अब केवल आंकड़ों का खेल नहीं रही, यह देश की सामाजिक संरचना, सुरक्षा व्यवस्था और आर्थिक संतुलन को गहराई तक चोट पहुँचा चुकी समस्या बन चुकी है। अलग-अलग आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से लेकर छह करोड़ तक अवैध घुसपैठिये मौजूद हो सकते हैं। केवल पश्चिम बंगाल में पचपन से साठ लाख तक और असम में पचास लाख तक की संख्या बताई जाती है। गुजरात, दिल्ली और महाराष्ट्र में लगातार चल रही छापेमार कार्रवाइयाँ इस संकट की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका प्रमाण देती हैं।

इन परिस्थितियों के बीच सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख एक चेतावनी के रूप में सामने आया है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि भारत अवैध प्रवेश करने वालों के लिए लाल कालीन नहीं बिछा सकता। यह चेतावनी अचानक नहीं आई। यह दशकों से खुली सरहदों और राजनीतिक ढिलाई का नतीजा है। न्यायालय ने पूछा कि क्या इन लोगों को भारत सरकार ने शरणार्थी घोषित किया है। जब इसका जवाब न में मिला, तो अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि फिर कानून की दृष्टि से वे घुसपैठिये हैं। यह स्थिति साफ है और इसमें कोई दुविधा नहीं रहनी चाहिए।

न्यायालय की टिप्पणी वस्तुतः उस वास्तविकता की ओर सीधा संकेत है जिसे लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। भारत के अपने नागरिक आज भी गरीबी, बेरोजगारी और संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में जो लोग अवैध तरीके से सीमा पार करके भारत में दाखिल होते हैं, वे सुरक्षा के लिए खतरा होने के साथ ही कहना होगा कि देश के सीमित संसाधनों पर भारी बोझ हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल कि क्या भारतीय नागरिकों की कीमत पर अवैध घुसपैठियों को संसाधन और लाभ दिए जाएँ, बिल्कुल उचित है। अदालत ने कहा कि भारत में भी बहुत गरीब लोग मौजूद हैं जिनके अधिकारों और जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। सबसे बड़ा खतरा सुरक्षा का है। घुसपैठिये बाड़ काटकर, नदी पार करके या नकली दस्तावेजों के सहारे भारत में आते हैं। इनमें से कई अपराधी, तस्कर या कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े भी हो सकते हैं। कई बार ऐसे नेटवर्क पकड़े गए हैं। असम, बंगाल और दिल्ली में मिले फर्जी पहचान पत्र इस खतरे को और पुष्ट करते हैं। जब अवैध प्रवासी मतदाता सूची में घुसने लगते हैं, तब वे सिर्फ सुरक्षा पर हमला नहीं कर रहे होते हैं, वास्तव में ये लोकतंत्र की बुनियादी संरचना पर हमला होता है।

घुसपैठ का दूसरा बड़ा दुष्परिणाम आर्थिक और सामाजिक असंतुलन है। अवैध तरीके से बसे लोग सरकारी योजनाओं का लाभ ले लेते हैं, राशन कार्ड हासिल कर लेते हैं, मजदूरी पर प्रभाव डालते हैं और स्थानीय लोगों के रोजगार को प्रभावित करते हैं। उनके कारण मजदूरी दरें गिरती हैं और सरकारी संसाधनों पर दबाव बढ़ता है। शहरों में भीड़ और अवैध बस्तियों की बढ़ोतरी इसी का परिणाम है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अवैध प्रवासी जिस राज्य में बसते हैं वहाँ की जनसांख्यिकीय संरचना बदलने लगती है। असम, त्रिपुरा और बंगाल जैसे राज्यों में यह बदलाव अब साफ दिखने लगा है। यह बदलाव भविष्य में सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और सांस्कृतिक संघर्ष की जमीन तैयार कर सकता है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश में घर-घर घुसपैठियों की तलाश का आदेश बताता है कि यह समस्या आज सिर्फ पूर्वोत्तर या पूर्वी भारत तक सीमित नहीं रह गई है। अवैध प्रवासी अब देश के हर हिस्से में पहुँच चुके हैं। वे पहचान पत्र बनवा लेते हैं और धीरे-धीरे स्थायी बसावट की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं। यह स्थिति पूरे प्रशासनिक ढांचे के लिए चुनौती बन चुकी है। फिर इन सबके बीच यह तर्क दिया जाता है कि निर्वासन केवल कानूनी प्रक्रिया के अनुसार हो। पर न्यायालय ने इसका सीधा और तार्किक उत्तर दिया आज दे दिया है । कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि पहले अवैध तरीके से सीमा पार की जाए और जब पकड़ में आएँ तो कहा जाए कि अब हमें भारतीय कानूनों का पूरा संरक्षण दिया जाए, यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता। कानून का दुरुपयोग और राष्ट्र के संसाधनों का दोहन किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं है।

वास्तव में ऐसे में कहना यही होगा कि भारत को अब इस समस्या को केवल मानवीय दृष्टिकोण या राजनीतिक नफा नुकसान के चश्मे से देखने की पुरानी प्रवृत्ति छोड़नी होगी। यह समय निर्णायक कदम उठाने का है। सीमा प्रबंधन को तकनीकी रूप से और मजबूत बनाना होगा। अवैध दस्तावेज बनवाने वाले नेटवर्कों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी। नागरिकता और शरणार्थी नीति को स्पष्ट और पारदर्शी बनाना होगा। साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों को एक समान नीति के तहत इस संकट से निपटना होगा।

घुसपैठ कोई साधारण समस्या नहीं है। यह एक धीमा विष है जो राष्ट्र की नसों में फैलता है। यह सुरक्षा को चोट पहुँचाता है, अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, सामाजिक माहौल को बदरंग करता है और लोकतांत्रिक संरचना को भीतर से खोखला करता है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी भारत के लिए समय पर आया हुआ सिग्नल है। अब यह सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे देश की सीमाओं को सुरक्षित करें और इस लगातार बढ़ती चुनौती को निर्णायक रूप से रोकें।

वस्तुतः भारत की मजबूती उसकी सीमाओं की सुरक्षा में है और घुसपैठ उन दीवारों में दरार डालने वाली अनदेखी आग है। इस आग को तुरंत बुझाना होगा अन्यथा आने वाले वर्षों में इसका दुष्परिणाम भारत की स्थिरता और पहचान पर भारी पड़ सकता है। समस्या विकराल हो उससे पहले उसका निदान जरूरी है। अच्छा है न्यायालय उस दिशा में अपने कदम बढ़ा चुका है। ऐसे में जो मानवाधिकार के नाम पर हल्ला कर रहे हैं, उन्हें भी इन घुसपैठियों पर अपनी आंखें खोल लेनी चाहिए।

माला में 108 दानों का महत्व

108 में से अंक एक उस ईश्वर का प्रतीक है जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों देवता समाहित हैं। इनमें कार्य रूप में भेद है परन्तु ये तीनों एक ही हैं। 0 (शून्य) निर्गुण निराकार ब्रह्म का प्रतीक है। अंक 8 में पूरी प्रकृति समाहित है। श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाश, मन, बुद्धि और अहंकार ये आठ भगवान की प्रकृति हैं। अंक शास्त्र के अनुसार 1 से लेकर 9 तक के अंक नवग्रहों के प्रतीक हैं। 108 (1$0$8= 9) द्वारा मनुष्य जीवन में सांसारिक वस्तुओं की प्राप्ति, ईश्वर का दर्शन व ब्रह्म तत्व की अनुभूति कर सकता है। मनुष्य की सांसों की संख्या के आधार पर 108 दानों की माला स्वीकृत की गई है। 24 घंटों में एक व्यक्ति 21600 बार सांस लेता है। हमारे 12 घंटे दैनिक कार्य में व्यय हो जाते हैं और शेष 12 घंटे देव आराधना के लिए बचते हैं। अर्थात 10800 सांसों का उपयोग अपने इष्टदेव के स्मरण के लिए करना चाहिए। लेकिन इतना समय देना हम सभी के लिए संभव नहीं है। इसलिए इस संख्या में से अंतिम दो शून्य हटाकर शेष 108 सांस में ही प्रभु स्मरण की सुविधा आचार्यों ने प्रदान किया। दूसरी मान्यता के अनुसार एक वर्ष में सूर्य दो लाख 16 हजार कलाएं बदलता है। सूर्य प्रत्येक छह महीने उत्तरायण और दक्षिणायन रहता है। इस प्रकार छह महीने में सूर्य की कुल कलाएं 108000 बनती हैं। अंतिम तीन शून्य हटने पर 108 संख्या बचती है। इसलिए माला जप में 108 दानें सूर्य की एक-एक कला के प्रतीक हैं। ज्योतिष शास्त्र इन्हें 12 राशियों और 9 ग्रहों से जोड़कर देखता है। 12 राशियों व 9 ग्रहों का गुणनफल 108 होता है। अर्थात कहा जा सकता है कि 108 अंक संपूर्ण जगत की गति का प्रतिनिधित्व करता है। ऋषियों की एक और मान्यता 27 नक्षत्रों की खोज पर आधारित है। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण होते हैं। 27 में 4 का गुणा किया जाय तो गुणनफल 108 ही होता है। जो परम पवित्र माना जाता है। इसीलिए माला के दानों की संख्या 108 रखी गई है।

आज का इतिहास

1657 - शाहजहां के छोटे बेटे मुराद ने खुद को बादशाह घोषित किया।
1917 - रूस में नई क्रांतिकारी सरकार गठन तथा रूस-जर्मनी के बीच युद्ध विराम।
1943 - जापानी हवाई जहाज ने कोलकाता पर बम गिराया।
1946 - भारत में होमगार्ड संगठन की स्थापना हुई।
1950 - सिक्किम भारत का संरक्षित राज्य बना।
1993 - मुलायम सिंह यादव पुनः मुख्यमंत्री बने थे।
1997 - भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी, इटली में पोम्पेली और हम्रयूलेनियम स्थल, शेरशाह सूरी निर्मित रोहतास का किला और बांग्लादेश में सुंदरवन को यूनेस्को ने विश्व धरोहर में शामिल किया।
1998 - रूस 2002 में भारतीय नौसेना को 'क्रिवाक श्रेणी' के बहुउद्देश्यीय युद्धपोत देने पर सहमत।
1999 - चेचेन्या में रूस ने अस्थायी तौर पर सेना तैनात करने की घोषणा की।
1999 - भारतीय सुंदरी युक्ता मुखी 'मिस वर्ल्ड' चुनी गईं।
1999 - चेचेन्या में रूस ने अस्थायी तौर पर सेना तैनात करने की घोषणा की।
1999 - भारतीय सुंदरी युक्ता मुखी 'मिस वर्ल्ड' चुनी गईं।
2000 - अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव में जार्ज बुश के पक्ष में फैसला दिया।
2001 - अफगानिस्तान में हामिद करजई के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन पर चारों गुट सहमत।
2003 - चेचेन्या में ट्रेन में आत्मघाती हमले में 42 लोगों की मृत्यु, जबकि 160 घायल।
2003 - राष्ट्रकुल देशों के शासनाध्यक्षों का चार दिवसीय सम्मेलन अबुजा में प्रारम्भ।
2005 - एक नये कानून द्वारा ब्रिटेन में समलैंगिक पुरुष और समलैंगिक स्त्री का वैध सम्बन्ध स्थापित करने की मान्यता दी गयी।
2007 - अमेरिका में लड़ाकू विमान एफ-16 मिसाइलरोधी प्रणाली से लैस किया गया।
2007 - पाकिस्तान की सर्वोच्च न्यायालय ने आपातकाल तक मीडिया पर लगे प्रतिबन्धों को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज किया।

स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में जीता पहाड़ का दर्द

-निशा आर्य-

उत्तराखंड के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र में बसे लमचूला गाँव का दृश्यमान सौंदर्य किसी चित्र की तरह मन मोह लेता है। परंतु इन पहाड़ियों के भीतर एक ऐसी सच्चाई छिपी है जिसे देखना जितना ज़रूरी है उतना ही कष्टकारी भी। बागेश्वर जिले के गरुड़ ब्लॉक से कई किलोमीटर दूर स्थित यह गाँव लगभग सत्रह सौ से अधिक लोगों का घर है, जिनमें अधिकांश अनुसूचित जनजाति से आते हैं। शांत वातावरण और सरल जीवनशैली इसे विशिष्ट बनाते हैं, किंतु इसी शांत दुनिया में एक गहरी समस्या निरंतर बनी हुई है। यह क्षेत्र आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा के इंतजार में है। गाँव में न अस्पताल है न ही कोई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जबकि स्वास्थ्य सुविधा किसी भी समाज की पहली आवश्यकता होती है।

देश की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का जीवन ग्रामीण क्षेत्रों में व्यतीत होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ प्रतिशत महिलाएं और चालीस प्रतिशत किशोरियाँ समय पर स्वास्थ्य जांच नहीं करा पातीं। पर्वतीय जिलों के लिए यह प्रतिशत और भी चिंताजनक हो जाता है जहाँ दूरी और परिवहन की कमी स्वास्थ्य सेवा को और कठिन बना देती है। लमचूला इसी स्थिति का एक उदाहरण है। यहाँ के लोग बीमारी की स्थिति में पंद्रह से तीस किलोमीटर दूर बैजनाथ या गरुड़ जाने को मजबूर हैं। यह यात्रा न केवल समय लेती है बल्कि आर्थिक दबाव भी डालती है। गाँव की युवा पीढ़ी इस स्थिति को गहराई से महसूस करती है। अठारह वर्षीय इंद्रा बताती है कि छोटी समस्या भी यहाँ बड़ी बन जाती है। मासिक चक्र में अनियमितता हो या चक्कर आना जैसी आम परेशानी, उन्हें गाँव के बाहर जाना पड़ता है। कई बार यह संभव नहीं होता तो वे दर्द सहकर चुपचाप इंतजार करती रहती हैं। किशोरावस्था वह समय होता है जब शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की देखभाल आवश्यक होती है। पोषण आहार से लेकर नियमित स्वास्थ्य जांच तक हर सुविधा बेहद महत्वपूर्ण होती है। परंतु लमचूला में किसी भी प्रकार की चिकित्सा सेवा का न होना इन युवतियों के लिए निरंतर चिंता का विषय है। यह समस्या केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। पैंसठ वर्ष की जाउली देवी को आंखों की धुंधली रोशनी के कारण चलना भी कठिन लगता है। वे बार बार इस बात का दुःख व्यक्त करती हैं कि इलाज के लिए दूर जाना उनके लिए लगभग असंभव है। किसी भी समाज में बुजुर्गों के लिए उपचार सबसे सहज उपलब्ध होना चाहिए क्योंकि उन्हें सबसे अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। पर यहाँ उनके पास न सुविधा है न विकल्प।

कई परिवार आर्थिक रूप से भी कमजोर हैं। रोज मजदूरी करने वाले परिवारों के लिए इलाज का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। दीपा देवी बताती हैं कि जब बच्चे बीमार पड़ते हैं तो सबसे पहले वे सफर के खर्च की चिंता करती हैं। दवा से पहले उन्हें यह सोचना होता है कि उस दिन घर का खाना कैसे बनेगा। यह सिर्फ दीपा देवी का अनुभव नहीं है। पूरे क्षेत्र में अनगिनत परिवार ऐसी ही चिंता में जीते हैं।

लमचूला के ग्राम प्रधान का कहना है कि आसपास बसे छोटे गाँवों के लोग भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं। यदि लमचूला में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हो जाए तो पूरे क्षेत्र को राहत मिल सकती है। अभी उन्हें जखेडा स्थित एक केंद्र पर निर्भर रहना पड़ता है जिसकी क्षमता सीमित है और वहाँ भी भीड़ अधिक रहती है। ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सुविधा की अनुपलब्धता के कारण कई बार लोग घरेलू उपचार पर निर्भर हो जाते हैं या झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाते हैं। इससे स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य सुविधा केवल बीमार होने पर दवा तक सीमित नहीं होती। इसमें जागरूकता, रोकथाम, समय पर जांच और उचित सलाह शामिल होती है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी महत्वपूर्ण होता है। कई रिपोर्ट बताती हैं कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच नहीं मिल पाती जिससे प्रसव संबंधी जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। लमचूला जैसे गाँवों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जहाँ समय पर सुविधा नहीं मिलने के कारण परिवारों को गंभीर कठिनाई झेलनी पड़ी। यह केवल एक गाँव की पीड़ा नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लगभग पैंतीस प्रतिशत घरों के पास स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचने में आधे घंटे से अधिक समय लगता है। पर्वतीय क्षेत्रों में यह दूरी और समय कहीं अधिक बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षित मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र की उपलब्धता अनिवार्य है। पर लमचूला जैसे गाँव इस बुनियादी आवश्यकता से भी वंचित हैं।

सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई गई हैं जिनका उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना है। परंतु योजनाओं का लाभ तभी मिलता है जब वे सही ढंग से लागू हों। कागजों में दर्ज योजनाएं गाँव के जीवन में बदलाव तब ही लाती हैं जब वे व्यवहारिक रूप से जमीन पर उतरती हैं। लमचूला के लोग आज भी उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं जब उनके गाँव में भी एक ऐसा केंद्र स्थापित होगा जहाँ हर व्यक्ति बिना भय और बिना अतिरिक्त खर्च के उपचार पा सकेगा। उनके लिए यह केवल सुविधा नहीं बल्कि जीवन रक्षक आवश्यकता है। इन पहाड़ों की मजबूती यहाँ के लोगों में भी दिखती है। कठिन परिस्थितियों में भी उनका धैर्य और सहनशीलता अद्भुत है। परंतु सहनशीलता का अर्थ यह नहीं कि वे अपनी बुनियादी जरूरतों को हमेशा दबाते रहें। अब समय आ गया है कि प्रशासन इस क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को समझें और स्वास्थ्य सुविधा को प्राथमिकता दे। यह किसी प्रदर्शन की मांग नहीं, बल्कि जीवन का अधिकार है। हर व्यक्ति को उपचार पाने का वही अधिकार होना चाहिए जो शहरों में रहने वालों को मिलता है। लमचूला और ऐसे अनेक गाँव हमारे देश की वह तस्वीर हैं जो अक्सर नजरों से दूर रह जाती है। प्रकृति भले ही खूबसूरत हो पर जीवन केवल सुंदर दृश्यों से नहीं चलता। जीवन चलता है सुविधा के साथ, सुरक्षा के साथ और इस विश्वास के साथ की बीमारी की स्थिति में इलाज पास ही उपलब्ध है। लमचूला के लोग इसी विश्वास की प्रतीक्षा में हैं। उन्हें अब प्रतीक्षा नहीं समाधान चाहिए। पहाड़ का यह दर्द तभी कम होगा जब स्वास्थ्य सुविधा उनके गांव तक पहुंचेगी और उनका जीवन सुरक्षित और संतुलित बन सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व ए-152, सैक्टर 63, नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से प्रकाशित।
संपादक - आदित्य वशिष्ठ   कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा   आर.एन.आई.- UPHIN/2023/84499
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे।   e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

एक साल में खत्म होगा मौजूदा टोल सिस्टम लागू होगा नया इलेक्ट्रॉनिक मॉडल : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में घोषणा की कि देश में टोल कलेक्शन का मौजूदा सिस्टम एक वर्ष के भीतर समाप्त कर दिया जाएगा। इसकी जगह नया इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन मॉडल लागू किया जाएगा, जिससे हाई-वे उपयोगकर्ताओं को यात्रा के दौरान पूरी तरह बाधारहित और बेहतर अनुभव मिलेगा।

गडकरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि यह नई प्रणाली प्रयोगात्मक रूप से 10 स्थानों पर शुरू की जा चुकी है और अगले एक वर्ष में इसे पूरे देश में विस्तारित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, "यह टोल सिस्टम खत्म हो जाएगा। टोल के नाम पर आपको कोई नहीं रोकेगा।

एक साल के अंदर पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन लागू कर दिया जाएगा।मंत्री ने कहा कि वर्तमान में देशभर में 10 लाख करोड़ रुपये लागत के 4,500 से अधिक हाई-वे परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में टोल नाकों पर रुकने की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। गडकरी ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत सड़क उपयोगकर्ताओं की केवल एंट्री दर्ज की जाएगी।

नंबर प्लेट की फोटो और फास्टैग के माध्यम से स्वतः पहचान होगी और जहां से वाहन ने एंट्री ली है, वहीं से निर्धारित शुल्क सीधे बैंक खाते से कट जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह नई तकनीक पारदर्शिता और सुविधा दोनों को बढ़ाएगी और टोल प्लाजा पर लगने वाली भीड़ पूरी तरह खत्म कर देगी।

भारत-रूस व्यापार को और अधिक संतुलित बनाने की जरूरत: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा इसे और अधिक संतुलित बनाने की दिशा में काम करने के व्यापक अवसर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता वस्तुएं, खाद्य उत्पाद, मोटर वाहन, ट्रैक्टर, भारी वाणिज्यिक वाहन, स्मार्टफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक, औद्योगिक कल-पुर्जे और वस्त्र भारत से रूस को निर्यात बढ़ाने की क्षमता रखने वाले में क्षेत्रों में शामिल हैं।

गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में कहा द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच रहा है " लेकिन हम आराम से नहीं बैठ सकते, हमें आगे बढ़ना होगा और संतुलन बनाना होगा।" भारत का रूस को निर्यात 2024-25 में 4.9 अरब अमेरिकी डॉलर रहा

जबकि आयात 63.8 अरब अमेरिकी डॉलर था। इससे व्यापार घाटा करीब 59 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। दोनों पक्षों ने 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

उन्होंने कहा कि भारत सेवा क्षेत्र में भी रूस को बड़ी पेशकश कर सकता है। रूसी संघ के राष्ट्रपति कार्यालय के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मैक्सिम ओरेश्किन ने बैठक में कहा कि रूस के आयात में भारत की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है और इसे बढ़ाने की आवश्यकता है।

ओरेश्किन ने कहा कि अधिक संतुलित व्यापार के लिए इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत छह प्रमुख क्षेत्रों में आपूर्ति बढ़ा सकता है जिनमें कृषि, औषधि, दूरसंचार उपकरण, औद्योगिक कल-पुर्जे एवं मानव संसाधन शामिल हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस समारोह को संबोधित करेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस के अवसर पर भारत मंडपम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) भारत द्वारा आयोजित विशेष समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगी।

एनएचआरसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इस अवसर पर 'एवरीडे एसेंशियल्स सुनिश्चित करना: सभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और गरिमा' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा, जो मानवाधिकार दिवस 2025 की थीम 'ह्यूमन राइट्स, आवर एवरीडे एसेंशियल्स' के अनुरूप है। सम्मेलन में मुख्य वक्ता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्र होंगे। सम्मेलन दो विषयगत सत्रों में संचालित होगा, जिनमें सार्वभौमिक, न्यायसंगत और गरिमापूर्ण सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता को सभी के मानवाधिकार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तत्व के रूप में चर्चा की जाएगी। इसमें देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मानवाधिकार आयोगों के प्रतिनिधि, अन्य राष्ट्रीय आयोग, सरकारी अधिकारी, मानवाधिकार रक्षक, नागरिक समाज संगठनों के सदस्य, शिक्षाविद, पेशेवर तथा मीडिया प्रतिनिधि शामिल होंगे। एनएचआरसी ने कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए 9 दिसंबर, सुबह 10 बजे तक ऑनलाइन पंजीकरण का लिंक उपलब्ध कराया है। पंजीकरण की पुष्टि होने पर प्रतिभागियों को ई-इनवाइट ईमेल के माध्यम से भेजा जाएगा। मानवाधिकार दिवस हर वर्ष 10 दिसंबर को 1948 में अपनाए गए विश्व मानवाधिकार घोषणा-पत्र की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। यह विश्व के सबसे अधिक संदर्भित दस्तावेजों में से एक है।

देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में गोवा से पुरुष व दमन से महिला गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी पाकिस्तान के जासूसों तक पहुँचाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार आरोपितों में एक महिला और एक पूर्व आर्मी जवान शामिल है। इस पूरे ऑपरेशन में गुजरात एटीएस ने दो अलग-अलग राज्यों में कार्रवाई करते हुए रश्मिन रवींद्र पाल नाम की महिला जासूस को दमन से गिरफ्तार किया। जबकि भारतीय सेना में सूबेदार रहे एके सिंह को गोवा से पकड़ा।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपित पाकिस्तान की जासूसी एजेंसियों के संपर्क में थे और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल थे। पूर्व सुबेदार एके सिंह पर पाकिस्तान के जासूसों की आर्थिक मदद का गंभीर आरोप है। दोनों आरोपितों पर देश के संवेदनशील इलाकों से जुड़ी गोपनीय जानकारियाँ पाकिस्तान तक पहुँचाने का आरोप लगा है। गुजरात एटीएस अब इस जासूसी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुँचने में जुटी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपितों ने अब तक कौन-कौन सी संवेदनशील जानकारी लीक की है और इसका कितना असर हो सकता है।

भारत विरोधी एजेंडे पर काम कर रहे कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के नेता : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने आरोप लगाया है कि इंडी गठबंधन और कांग्रेस नेताओं की मंडली खुलेआम भारत, भारतीयता, सनातन और देवी-देवताओं का अपमान करने के विदेशी एजेंडे पर काम कर रही है। चुग ने कहा कि यह सिर्फ बयानबाजी नहीं, बल्कि विदेशी मालिकों से मिली सुपारी राजनीति है।

चुग ने गुरुवार को यहां मीडियाकर्मियों से कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का देवताओं पर आपत्तिजनक बयान और हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का सनातन धर्म का मजाक उड़ाना कांग्रेस की सोच का असली चेहरा सामने लाता है। देश की जनता ऐसे अपमान का जवाब देना अच्छी तरह जानती है। भाजपा महासचिव चुग ने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस का

उद्देश्य सिर्फ हिंदू धर्म का अपमान करना और समाज में धार्मिक घृणा फैलाना रह गया है? क्या यह पार्टी की सुविचारित रणनीति का हिस्सा बन चुका है?

उन्होंने कहा कि एक तरफ तेलंगाना के कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी देवी-देवताओं का मजाक उड़ाते हैं, दूसरी तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू बच्चों की धार्मिक अभिव्यक्ति रोकने की बात करते हैं। क्या राहुल गांधी ने अपने मुख्यमंत्रियों को हिंदू धर्म पर हमले का खुला लाइसेंस दे दिया है?

चुग ने कहा कि जब तेलंगाना में एआईएमआईएम नेता ने अपमानजनक बयान दिया, तब भी कांग्रेस ने जुबली हिल्स चुनाव में उसे समर्थन दिया और कार्रवाई नहीं की।

रेवंत रेड्डी ने पहले ही कहा था कि कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस- यही कांग्रेस की वोट-बैंक मानसिकता है। उन्होंने याद दिलाया कि राहुल खुद भगवान की फोटो उठा कर घूमते रहे, लेकिन ईश्वर के नाम पर शपथ नहीं ली। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के घटक डीएमके ने सनातन धर्म का समूल नाश नामक सम्मेलन किया था, कांग्रेस ने इस पर भी चुप्पी साध ली। चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही कह चुके हैं कि कांग्रेस "मुस्लिम लीग माओवादी" बनती जा रही है। संस्थानों का अपमान, संसद की गरिमा गिराना, हिंदू धर्म के प्रति घृणा फैलाना, यह सब अर्बन नक्सल मानसिकता की पुष्टि करता है।

पांच साल में एक हजार शहरी केंद्रों का होगा डिजिटल मानचित्रण

नई दिल्ली। भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी ने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में देश के एक हजार शहरी केंद्रों का व्यापक डिजिटल मानचित्रण करेगी और हाई-प्रिसीजन मैपिंग के जरिए शहरी भू-अभिलेखों को पूरी तरह सटीक बनाया जाएगा। आने वाले महीनों में 157 शहरों का उच्च-स्तरीय सर्वे पूरा कर लिया जाएगा, जिससे शासन, अवसंरचना विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

उन्होंने जियोस्मार्ट इंडिया 2025 के तीसरे दिन आयोजित सत्र में शहरी भूमि आधुनिकीकरण और भू-स्थानिक तकनीक पर राष्ट्रीय विशेषज्ञों की चर्चा में कहा कि भारत तेजी से एकीकृत और वास्तविक समय में उपलब्ध डिजिटल मैपिंग के दौर में प्रवेश कर रहा है। जोशी ने कहा कि सभी राज्यों को इस अभियान से जोड़ा गया है और बड़े राज्यों में 10-10 पायलट शहर तथा छोटे राज्यों में 1-2 शहर चिन्हित किए गए हैं। पारंपरिक टेप-आधारित सर्वेक्षण अब प्रभावी नहीं है और संपत्ति लेन-देन पूरी तरह लैटीट्यूड-लॉन्गिट्यूड आधारित डिजिटल स्केच पर आधारित होना चाहिए। राजस्व

विभागों को हाथ से बने नक्शों की जगह जीआईएस-लिंक्ड रजिस्ट्रेशन सिस्टम अपनाने की जरूरत है।

भूमि अभिलेख विभाग के संयुक्त सचिव कुणाल सत्यार्थी ने बताया कि सरकार 57 शहरों में प्रोकार्ड नामक एकीकृत स्वामित्व रिकॉर्ड तैयार करने के बड़े पायलट की शुरुआत कर रही है, जिसमें नगर निकाय टैक्स रिकॉर्ड, पंजीयन दस्तावेज और अन्य अभिलेखों को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा। भारत पहली बार ड्रोन, एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की मदद से 5 सेंटीमीटर सटीकता वाली एरियल इमेज तैयार कर रहा है, जिससे सर्वेक्षण की रफ्तार कई गुना बढ़ी है। सत्यार्थी ने पर्वतीय राज्यों में मैपिंग की चुनौतियों का भी उल्लेख किया और कहा कि सरकार लिडार और उन्नत इमेजिंग तकनीक का उपयोग कर कठिन इलाकों में भी सटीक नक्शे तैयार कर रही है।

जियोस्पेशियल वर्ल्ड के सीईओ संजय कुमार ने कहा कि लोकेशन अब एक आर्थिक संपत्ति बन चुकी है और वन नेशन, वन मैप समय की जरूरत है। चौनौती मैपिंग नहीं, बल्कि अलग-अलग विभागों के डाटा को सामंजस्यपूर्ण बनाना है ताकि राष्ट्रीय योजनाओं के लिए विश्वसनीय भू-स्थानिक आधार तैयार किया जा सके।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के पिता स्वराज कौशल का निधन, ओम बिरला समेत कई नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के पिता और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के पति व वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल का गुरुवार को 73 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह मिजोरम के राज्यपाल एवं राज्यसभा सांसद के रूप में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुके थे।

उनके निधन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री समेत तमाम नेताओं ने शोक व्यक्त किया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने अपने दिवंगत पिता को याद करते हुए कहा कि पापा स्वराज कौशल, आपका स्नेह, आपका अनुशासन, आपकी सरलता, आपका राष्ट्रप्रेम और आपका अपार धैर्य मेरे जीवन की वह रोशनी हैं जो कभी मंद नहीं होगी। अपने भावुक संदेश में उन्होंने लिखा कि उनका जाना जीवन की सबसे गहरी पीड़ा है, लेकिन विश्वास है कि वे अब सुषमा स्वराज के साथ ईश्वर के सान्निध्य में हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वराज कौशल को न्याय, लोकतंत्र और राष्ट्रसेवा का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका सरल और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि स्वराज कौशल ने अभूतपूर्व

निष्ठा से राष्ट्र सेवा की और कानूनी क्षेत्र में उनके योगदान ने समाज और न्याय व्यवस्था को मजबूती दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने उन्हें बुद्धिमान, गर्मजोशी से भरे और सार्वजनिक जीवन को समर्पित व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि स्वराज कौशल का निधन एक बड़ी क्षति है। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह ने कहा कि स्वराज कौशल के निधन की खबर अत्यंत दुखद है और उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति और परिवार को धैर्य देने की प्रार्थना की। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्वराज कौशल को स्नेहिल, शांत और विद्वतापूर्ण व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि जनसेवा और न्यायप्रियता में उनका योगदान अनुकरणीय है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्वराज कौशल का सार्वजनिक जीवन और विधि क्षेत्र में योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने बांसुरी स्वराज और परिवार के प्रति संवेदना जताई। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि स्वराज कौशल ने अद्वितीय निष्ठा से राष्ट्र और समाज की सेवा की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी उनके निधन को अत्यंत दुःखद बताते हुए परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

उल्लेखनीय है कि 12 जुलाई, 1952 को जन्में स्वराज कौशल को साल 1990 में मात्र 37 वर्ष की आयु में मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया था, जिससे वे देश के इतिहास में सबसे कम उम्र के राज्यपाल बने। वे 1990 से 1993 तक इस पद पर रहे। इसके बाद 1998 से 2004 तक वे हरियाणा से राज्यसभा सांसद रहे।

कानून के क्षेत्र में भी उनका प्रभाव उल्लेखनीय रहा और उच्चतम न्यायालय में वे एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में कई महत्वपूर्ण व संवेदनशील मामलों में पक्ष रखते रहे। पूर्वोत्तर भारत में शांति बहाली के लिए किए गए उनके प्रयास को ऐतिहासिक माना जाता हैं। वे मिजो शांति समझौते के प्रमुख सूत्रधार रहे। मिजोरम में शांति स्थापना के कारण उन्हें व्यापक रूप से 'हीरो' के रूप में देखा जाता है। स्वराज कौशल और सुषमा स्वराज का व्यक्तिगत जीवन भी उतना ही प्रेरक रहा। दोनों की मुलाकात 1975 में इमरजेंसी के दौरान हुई जब वे युवा वकीलों के रूप में जॉर्ज फर्नांडिस की कानूनी टीम में साथ काम कर रहे थे। पेशे से जुड़ी इस नजदीकी ने धीरे-धीरे एक दूसरे के प्रति विश्वास और प्रेम का रूप ले लिया। अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद उन्होंने परिवार की सहमति के साथ 13 जुलाई, 1975 को विवाह किया। इस विवाह को जयप्रकाश नारायण ने भी आशीर्वाद दिया था।

राज्यसभा में नियम 267 के दुरुपयोग पर सभापति ने जताई चिंता

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को नियम 267 के तहत चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर तुरंत चर्चा न होने को लेकर गहरी आपत्ति जताई और कहा कि सरकार लगातार संवेदनशील विषयों को टाल रही है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मल्लिकाअर्जुन खड़गे की आपत्तियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सभापति सीपी राधाकृष्णन कहा कि यह व्यवस्था उन्होंने नहीं की है बल्कि पहले से सदन द्वारा अपनाई जा चुकी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम 267 का उद्देश्य केवल उसी दिन सूचीबद्ध कार्य से संबंधित किसी नियम को विशेष परिस्थिति में स्थगित करना है, न कि असूचीबद्ध विषयों पर चर्चा की मांग करना। सभापति ने याद दिलाया कि उन्होंने सदस्यों की मांग पर नियम 267 के नोटिसों की समीक्षा का वादा किया था, और अब इस संबंध में अपने अवलोकन प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियम 267 को

अक्सर लोकसभा की स्थगन प्रस्ताव की तरह उपयोग करने की कोशिश की जाती है, जबकि राज्यसभा में ऐसी कोई संवैधानिक या प्रक्रियागत व्यवस्था नहीं है।

नियम 267 का उपयोग केवल सूचीबद्ध कार्य से जुड़े मामलों के लिए किया जा सकता है। सभापति ने बताया कि वर्ष 2000 में इस नियम में संशोधन किया गया था, जब नियम समिति के अध्यक्ष तत्कालीन उपराष्ट्रपति कृष्णकांत थे और इसमें डॉ. मनमोहन सिंह, प्रणब मुखर्जी, अरुण शौरी, वेंकैया नायडू सहित कई वरिष्ठ सदस्य शामिल थे। समिति ने पाया था कि नियम 267 का उपयोग असूचीबद्ध विषयों पर चर्चा के लिए हो रहा है और इसे सीमित करने की जरूरत है। इसीलिए नियम में संशोधन कर इसकी परिधि केवल सूचीबद्ध कार्य तक कर दी गई थी। सभापति के अनुसार, 1988 से 2000 के बीच नियम 267 के तहत चर्चा केवल तीन बार हुई और वर्ष 2000 के बाद अब तक एक भी औपचारिक चर्चा इस नियम के तहत नहीं हुई है। आठ मौकों पर चर्चा केवल सर्वसम्मति से हुई थी।

यह दर्शाता है कि चार दशकों में इसे केवल अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में ही उपयोग किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैध नोटिस के लिए पांच शर्तें अनिवार्य हैं जिसमें किस नियम को निलंबित करना है, यह स्पष्ट करना, विषय सूचीबद्ध कार्य से संबंधित होना, नोटिस देने का कारण स्पष्ट होना, ऐसे मामलों में नोटिस न देना, जिनके लिए नियम में पहले से स्थगन का प्रावधान मौजूद हो और विधिवत प्रारूप में प्रस्ताव हो शामिल है।

सभापति ने कहा कि जो नोटिस इन मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सदस्यों को आश्वस्त किया कि जनमहत्व के तात्कालिक मुद्दे अन्य संसदीय साधनों से उठाए जा सकते हैं। इस पर खड़गे ने कहा कि आप चाहें तो नियम को निलंबित कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में तत्काल चर्चा की व्यवस्था है, लेकिन राज्यसभा में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे पास सिर्फ नियम 267 एक हथियार है। अगर आप वह भी छीन लेंगे तो हम क्या करेंगे। उन्होंने सभापति से अपील की कि महत्वपूर्ण विषयों पर दिए गए 267 के सब नोटिसों को खारिज न किया जाए। इस पर राज्यसभा में सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार चर्चा से बच रही है। यह बिलकुल गलत है। जो-जो चर्चा आपने मांगी, सरकार ने समय दिया और पिछले सत्र में भी विस्तार से बहस हुई। यह धारणा न बने कि सरकार किसी विषय से भाग रही है। हम हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं। सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ है कि 'वंदे मातरम्' और 'चुनाव सुधार' चर्चा कराई जाएगी।

जीवन की सार्थकता का बोध कराता है उत्कृष्ट साहित्य : होसबाले

उदयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि साहित्य समाज को दिशा प्रदान करता है। राष्ट्र और समाज के लिए समर्पण की भावना से परिपूर्ण साहित्य नागरिक को यह समझाने में सहायक होता है कि जीवन की सार्थकता किसमें है।सरकार्यवाह होसबाले बुधवार शाम को यहां उदयपुर के प्रताप गौरव केन्द्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' में राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा के उद्घाटन अवसर पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जीवन की सार्थकता देश, धर्म और समाज को सशक्त बनाने के लिए अपनी ओर से किए गए योगदान से है। इस भावना को प्रबल करने की दिशा में साहित्य का बड़ा योगदान है। उत्कृष्ट साहित्य व्यक्ति के व्यक्तित्व को भी उत्कृष्टता की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि हर स्थान पर व्यक्ति को श्रेष्ठ गुणों से परिपूर्ण करने वाले साहित्य की उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने सभी से निरंतर साहित्य पढ़ने को दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि केन्द्र के भामाशाह विक्रय केन्द्र पर ज्ञान गंगा प्रकाशन की ओर से राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा बनाई गई है। यह दीर्घा अब यहां निरंतर रहेगी और इसमें राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत साहित्य उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन, अखिल भारतीय सामाजिक सद्भाव प्रमुख बलिराम, क्षेत्र के सेवा प्रमुख शिवलहरी, क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह राठौड़, चित्तौड़ प्रांत के सह प्रांत प्रचारक धर्मेन्द्र सिंह, प्रांत संघचालक एडवोकेट जगदीश राणा, प्रांत सहकार्यवाह नारायण गमेती आदि उपस्थित थे।

संस्कृति लुप्त होने पर अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है राष्ट्रः सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र की पहचान वहां की संस्कृति, परंपराएं और महापुरुष होते हैं, यह एक-दूसरे से जुड़े हैं। राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। जब भी हम संकट में होते हैं तो महापुरुषों के शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (एसडीआरएफ) के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह का शुभारंभ किया। इस परिषद की स्थापना गोरखपुर में महंत दिग्विजयनाथ महाराज ने 1932 में की थी। मुख्यमंत्री योगी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले स्मृति शेष प्रो. यूपी सिंह व अन्य दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि भी दी।

समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने स्वदेश, स्वधर्म व राष्ट्रीय स्वाभिमान का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई समेत सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले भारत मां के बहादुर जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय-समय पर अलग-अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी, जिन्हें विभिन्न पर्वों के माध्यम से पूरा भारत बिना भेदभाव के आत्मसात करता है। पर्व में मतभेदों को समाप्त करके हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र की पहचान वहां की संस्कृति, परंपराएं और महापुरुष होते हैं, यह एक-दूसरे से जुड़े हैं। राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय-समय पर अलग-अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी। जिन्हें विभिन्न पर्वों के माध्यम से पूरा भारत बिना भेदभाव के आत्मसात करता है। पर्व में मतभेदों को समाप्त करके हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अगले छह वर्ष के अंदर होने वाले शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रम के साथ बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षा परिषद व संस्थाओं के सामने 100 वर्षों की इस यात्रा के आत्ममंथन का अवसर है। आत्मावलोकन करें कि छात्र के सर्वांगीण विकास, समाज व राष्ट्र के प्रति हमने अपनी भूमिका का निर्वहन किस रूप में किया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण, अपनी संकल्पना और भावना को बढ़ाने के लिए संस्थापकों ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। परिषद शिक्षा के विजन के साथ ही स्वास्थ्य, कृषि, महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, महाराणा प्रताप पॉलीटेक्निक आदि के जरिए तकनीक पर जोर दे रहा है तो वहीं महिलाओं की शिक्षा, अन्नदाता किसानों के प्रशिक्षण के लिए महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र या अन्न संस्थाएं दूरदराज के क्षेत्रों में नए प्रयास को बढ़ाने के साथ ही कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने महंत दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' और महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज की 'मिशन मंझरिया' के विमोचन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक ओर शिक्षित बेरोजगारों की फौज खड़ी होती है तो दूसरी तरफ निरक्षरता की लंबी खाई दिखाई पड़ती है। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज को इसमें योजक की भूमिका में दिखाई दिया है। योगी ने कहा कि शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं को मॉडल स्टडी का माध्यम बनना ही होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में किसी भी मनुष्य के लिए अयोग्य शब्द नहीं कहा गया है। अयोग्य मतलब उसकी मनुष्यता पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति अयोग्य है तो इसका मतलब कोई योजक नहीं है। उन्होंने कहा कि अयोग्यता-निरक्षरता शैक्षिक समाज पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। मुख्यमंत्री ने परिषद के सभी शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं द्वारा सेवा भाव के कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोई कुष्ठ सेवाश्रम तो कोई संस्थान थारू, वनटांगिया के छात्रों को गोद लेकर पढ़ा रहा है तो कोई संस्थान अन्य जिम्मेदारियों के साथ समाज व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है और यही राष्ट्र के प्रति हमारी सेवा भी है।

समारोह में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. जेपी सैनी, प्रो. रविशंकर सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्र पाल सिंह, इंजी. सरवन निषाद, प्रदीप शुक्ला, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, रतनपाल सिंह, पूर्व महापौर अंजू चौधरी आदि मौजूद रहे।

हाथरस पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कहा

मतदाता सूची से हटाए जाएंगे घुसपैठियों के नाम

हाथरस। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आज गुरुवार को हाथरस पहुंचे। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय के निवास पर पहुंच कर उनके दिवंगत ससुर रामचरन उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनकी पत्नी भी उनके साथ थी। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने सेल टैक्स वाली गली में लोगों से एसआईआर फॉर्म भरने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को अधिकांश लोगों ने बताया कि उन्होंने फॉर्म भर दिया है। कुछ लोगों ने उनसे यह शिकायत भी की कि उनका बूथ काफी दूर है। इस पर डिप्टी सीएम होने उन्हें समस्या का निस्तारण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर

● जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय के ससुर को दी श्रद्धांजलि

सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाहा, पूर्व जिला अध्यक्ष शरद महेश्वरी, जिला महामंत्री हरिशंकर राणा, रूपेश उपाध्याय, भाजपा के नगर अध्यक्ष मूलचंद वाष्णेय सहित कई नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद डिप्टी सीएम पार्टी कार्यालय पहुंचे।

पार्टी कार्यालय में उन्होंने पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से मतदाता सूची में पात्र व्यक्तियों के नाम जुड़वाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों को चिन्हित कर बीएलओ के माध्यम से उनके नाम मतदाता सूची से हटवाए जाएं। उन्होंने इस कार्य में पूरी ऊर्जा से जुटने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री पाठक ने मीडिया से भी बातचीत की। प्रदेश में कुछ बीएलओ की मौत से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग इस पर काम कर रहा है और सरकार पीड़ितों के साथ है, उन्हें हर संभव मदद मिलेगी। बीएलओ द्वारा मानसिक उत्पीड़न किए जाने के सवाल पर उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि कोई शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी।

औरैया में एसआईआर और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की हुई समीक्षा

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने गुरुवार को जूम मीटिंग के माध्यम से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर), डुप्लीकेट मतदाता कार्यक्रम तथा शासन के प्राथमिकता वाले कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि एसआईआर कार्यक्रम के तहत मैपिंग का शेष कार्य बूथवार समीक्षा करते हुए शीघ्र पूरा किया जाए।

जिलाधिकारी डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि यदि किसी बूथ पर मृतक, स्थानांतरित या अन्यत्र स्थायी रूप से निवास करने वाले मतदाताओं का प्रतिशत निर्धारित सीमा से अधिक है, तो उसकी गहन समीक्षा कर सही डेटाबेस तैयार किया जाए, ताकि मतदाता सूची में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय दायित्वों, योजनाओं और शासन द्वारा संचालित कार्यक्रमों को समयबद्ध और जिम्मेदारी से पूरा किया जाए, जिससे किसी प्रकार की शिथिलता या शिकायत की स्थिति न बने। जिलाधिकारी ने लंबित वादों के निस्तारण में तेजी लाने, आईजीआरएस व सीएम हेल्पलाइन से संबंधित प्रकरणों को गुणवत्तापूर्ण व निष्पक्ष तरीके से समय सीमा में निस्तारित करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि संतुष्टि प्रतिशत में सुधार के लिए सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें। फार्मर रजिस्ट्री कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कराने हेतु डीएम ने आमजन में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए, ताकि कार्य निर्धारित समय में सुचारू रूप से पूर्ण हो सके।

अमेठी में छोटे भाई ने खेत में कर दी बड़े भाई की हत्या

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर डीहवा गांव में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या कर दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी।

स्वर्गीय शिवकरन वर्मा के तीन पुत्र राकेश वर्मा, रोहित वर्मा और दिनेश वर्मा हैं। रोहित सूरत में रहता है। राकेश और दिनेश गांव में ही रहते थे। सुबह किसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद राकेश वर्मा खेत में काम करने चले गए। वहीं काम कर रहे राकेश पर अचानक पहुंचे छोटे भाई दिनेश वर्मा ने पीछे से हमला कर दिया। दिनेश ने राकेश के हाथ से कुदाल छीनकर उसी से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे राकेश (50) की मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या को छिपाने के इरादे से आरोपित भाई दिनेश ने शव को लगभग 300 मीटर दूर झाड़ियों में घसीटकर फेंक दिया और

फरार हो गया। मृतक राकेश वर्मा की पत्नी का निधन 15 वर्ष पूर्व हो चुका था। मृतक का एक बेटा और एक बेटी है। घटना के बाद परिवार और गांव में मातम छा गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में आरोपित दिनेश की मानसिक स्थिति कमजोर होने की बात सामने आई है। मृतक के छोटे भाई की पत्नी आशा देवी द्वारा सौंपी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जालौन पहुंचीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, जिला महिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में हुई शामिल

उरई। उत्तर प्रदेश के राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता सिंह गुरूवार को जालौन दौरे पर रहीं, जहां उन्होंने जिला मुख्यालय उरई स्थित महिला जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल भी उनके साथ मौजूद रहीं।

कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म अदा की गई, वहीं नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। अस्पताल में जन्मी कन्या शिशुओं को सुरक्षा किट प्रदान कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।अध्यक्ष बबिता सिंह ने महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए इनके लाभ समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का आयोजन महिला जिला अस्पताल परिसर में किया गया, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं और स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

सपा नेता व पूर्व विधायक के बेटे सहित 25 के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित सिविल लाइन थाने में गुरुवार को सपा नेता एवं पूर्व विधायक के बेटे समेत 25 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। यह मुकदमा सिविल लाइन के रहने चाय की दुकान स्वामी की तहरीर पर दर्ज किया गया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि गुरुवार को सिविल थाना क्षेत्र के एम.जी. मार्ग निवासी रकी सोनकर पुत्र स्वर्गीय विन्दी लाल ने सूचना दिया कि कवी अहमद पुत्र सईद अहमद पूर्व विधायक एवं सपा नेता एमजी मार्ग पर लगने वाली दुकानों से गुंडा टैक्स की जबरन वसूली करता है। जिसका विरोध करने की वजह से रंजिश के चलते बुधवार की रात लगभग 11 बजे कवी अहमद अपने साथियों के साथ पहुंचा और जबरन मारपीट करने लगा। शोर सुनकर उसका भाई मोनू सोनकर घर से बाहर निकला तो हमलावरों ने उसकी हत्या करने के इरादे से मारपीट के दौरान गोली भी चलाई। दोनों भाइयों और मेरे दोस्त को डंडे एवं राड से प्रहार करके घायल कर दिया और गोली की आवाज सुनकर लोग घर से बाहर निकले। हमलावर एवं कवी अहमद चले गए। आरोप लगाया है कि जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस संबंध में तहरीर के मुताबिक उक्त सभी आरोपितों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इटावा-बरेली हाइवे पर हादसा बाइक सवार युवक की मौत

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में बुधवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कन्नौज तालग्राम थाना क्षेत्र निवासी राहुल राठौर(20) के रूप में हुई है। राहुल राठौर तालग्राम के मोहल्ला बजरिया का रहने वाला था। वह दिल्ली में रहकर रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि वह दो दिन पहले ही दिल्ली से घर आया था।

बुधवार रात थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र के इटावा-बरेली हाईवे पर बाइकों की भिड़ंत में राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया । लोहिया अस्पताल में इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ना प्राथमिक लक्ष्य

उरई। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को ग्राम शेखपुर बुजुर्ग में ग्राम प्रधान, ग्रामवासियों तथा जिले के सभी ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर-2026) की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर वितरित किए गए गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) को मतदाता शीघ्रता से भरकर बीएलओ को वापस करें।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि मतदाता सूची में नाम, आयु, संबंध और फोटो से संबंधित त्रुटियों का शत-प्रतिशत निराकरण कराया जाएगा, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया अधिक सटीक व पारदर्शी हो। बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधानों ने आश्वस्त किया कि वे बीएलओ के साथ पूर्ण सहयोग करें तथा अपने-अपने ग्राम के प्रत्येक पात्र नागरिक को गणना प्रपत्र भरने हेतु प्रेरित करें , जिससे मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं अद्यतन बन सके। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सहित जिले के ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

काशी तमिल संगमम-4.0: तमिलनाडु का दूसरा दल काशी में भव्य स्वागत से अभिभूत

गंगा तट, घाटों, तथा शहर के प्रमुख सांस्कृतिक और शैक्षिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में आयोजित काशी तमिल संगमम-4.0 में भाग लेने के लिए तमिलनाडु से दूसरा दल भी काशी पहुंच गया है। इस दल में अध्यापक (टीचर्स डेलिगेशन) शामिल है। बुधवार की देर रात दूसरा दल विशेष ट्रेन से मंडुवाडीह स्थित बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचा। स्टेशन पर उतरते ही मेहमानों का काशी के पारंपरिक तरीके से डमरू वादन,पुष्प वर्षा और 'हर-हर महादेव' तथा 'वणक्कम काशी' के उदघोष से भव्य स्वागत किया गया। स्टेशन पर स्वागत समारोह में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु' तथा वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी स्वयं उपस्थित रहे। दोनों जन

प्रतिनिधियों ने मेहमानों को काशी की सांस्कृतिक आत्मीयता और तमिल-काशी के ऐतिहासिक संबंधों की जानकारी देते हुए उनका अभिनंदन किया। स्टेशन पर पारंपरिक स्वागत से तमिल दल के सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई मेहमानों ने कहा कि काशी में मिल रही गर्मजोशी और आध्यात्मिक वातावरण उनके लिए अविस्मरणीय है। डमरू वादन की ध्वनि से पूरा परिसर शिवमय हो गया और काशी व तमिलनाडु की सांस्कृतिक एकता की झलक साफ दिखाई दी। कार्यक्रम के तय शेड्यूल के अनुसार, तमिलनाडु से आए यह डेलिगेट्स गुरूवार पूर्वाह्न में श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद वे गंगा तट, घाटों, तथा शहर के प्रमुख सांस्कृतिक और शैक्षिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि अतिथियों को काशी की समृद्ध विरासत, कला, संस्कृति और अध्यात्म से परिचित कराने के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए हैं।

'काशी तमिल संगमम' का उद्देश्य काशी और तमिलनाडु के बीच प्राचीन सांस्कृतिक, धार्मिक और शैक्षिक संबंधों को पुनर्जीवित करना है। इस बार चौथा संस्करण आयोजित हो रहा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों-शिक्षा, संस्कृति, साहित्य, कला एवं उद्योग-से जुड़े प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

लिविंगस्टोन की आतिशी पारी से अबूधाबी नाइटराइडर्स ने शारजाह वॉरियर्स को हराया

शारजाह। लियाम लिविंगस्टोन ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिससे अबूधाबी नाइटराइडर्स ने विश्व आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में शारजाह वॉरियर्स को 39 रन से हराया। लिविंगस्टोन ने अपनी पारी में दो चौके और आठ छक्के लगाए जिससे नाइटराइडर्स चार विकेट पर 233 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। यह लीग के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में वॉरियर्स की टीम नौ विकेट पर 194 रन ही बना पाई। लिविंगस्टोन को बीच के ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड (27 गेंदों पर 45 रन) से सहयोग मिला। इससे पहले एलेक्स हेल्स (19 गेंदों पर 32 रन) और अलीशान शराफू (23 गेंदों पर 34 रन) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। लिविंगस्टोन ने पारी के अंतिम ओवर में ड्वेन प्रीटोरियस पर पांच छक्के जड़कर 33 रन बटोरे। वॉरियर्स के लिए आदिल राशिद एकमात्र सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 31 रन देकर दो विकेट लिए। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स को अच्छी शुरुआत नहीं मिली। उसने जॉनसन चार्ल्स (10 रन), टॉम एबेल (06 रन) और टॉम कोहलर कैडमोर (14 रन) के विकेट पहले सात ओवरों में ही खो दिए, जब स्कोर केवल 56 रन था। टिम डेविड (24 गेंदों पर 60 रन) ने टीम को वापसी दिलाने की कोशिश की। डेविड ने नौवें ओवर में पीयूष चावला पर लगातार तीन छक्के जड़े। सिकंदर रजा (08 रन) और दिनेश कार्तिक (05 रन) के विकेट गिरने के बावजूद डेविड ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा। उनके अलावा प्रीटोरियस (20 गेंदों पर 39 रन) और आदिल राशिद (11 गेंदों पर 25 रन) ने भी योगदान दिया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया।

प्रीमियर लीग: आर्सेनल ने 5 अंक की बढ़त हासिल की

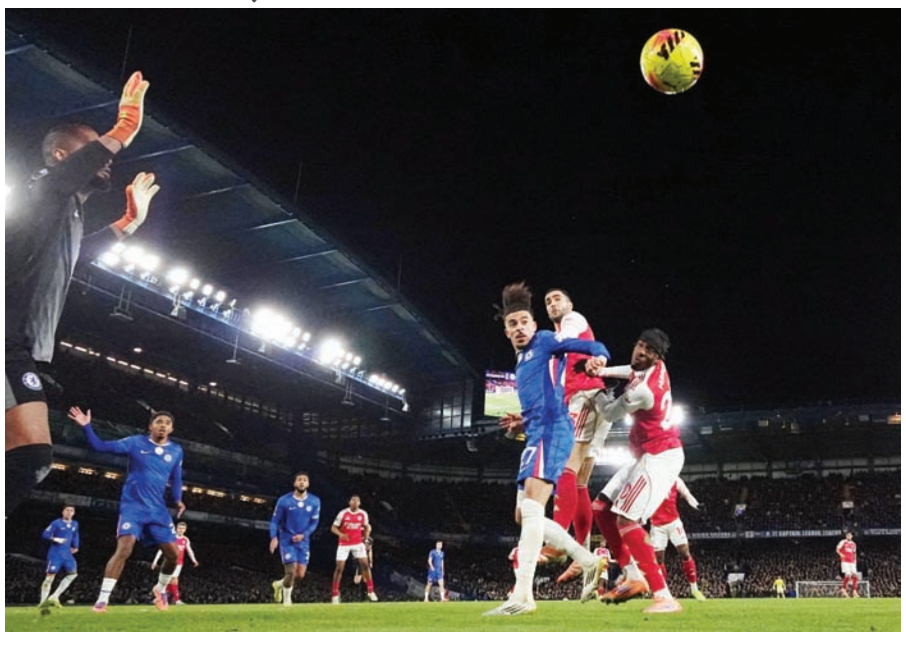

लंदन। आर्सेनल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में पांच अंक की बढ़त हासिल कर ली है जबकि लिवरपूल का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। आर्सेनल ने जहां ब्रेंटफोर्ड पर 2-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं लिवरपूल ने एनफील्ड में अंतिम क्षणों में आत्मघाती गोल की मदद से संदरलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। मौजूदा चैंपियन लिवरपूल की टीम अब आठवें स्थान पर है। उसके कोच आर्ने स्लॉट आलोचकों के निशाने पर हैं और स्टार फारवर्ड मोहम्मद सलाह को लगातार दूसरे मैच में शुरुआती लाइनअप से बाहर रखने के उनके फैसले की कड़ी आलोचना होने की संभावना है। इस बीच चेल्सी को लीड्स के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे खिताब जीतने की उसकी उम्मीदों को झटका लगा। इस हार से चेल्सी चौथे स्थान पर खिसक गई और आर्सेनल से नौ अंक पीछे हो गई, जिसने सभी प्रतियोगिताओं में अपना अजेय अभियान 18 मैचों तक बढ़ा लिया है और 2004 के बाद से पहली बार लीग खिताब जीतने की ओर अग्रसर है। आखिरी स्थान पर चल रहे वॉल्वरहैम्प्टन को नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट के हाथों अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि एस्टन विला ने ब्राइटन पर 4-3 से जीत हासिल की। इससे वह चेल्सी से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गया। क्रिस्टल पैलेस ने एक अन्य मैच में बर्नले को 1-0 से हराया।

ओपनिंग करूं या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी, कुछ देर बाद प्रक्रिया समान हो जाती है: गायकवाड़

रायपुर। सीमित ओवरों के क्रिकेट में विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद कहा कि उन्हें अपनी नयी भूमिका से सामंजस्य बिठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई।

भारत के लिए वनडे में श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मुंबई के इस बल्लेबाज के चोटिल होने के कारण टीम प्रबंधन ने गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई। भारत इस मैच में हालांकि चार विकेट से हार गया था। गायकवाड़ ने मैच के बाद मीडिया से कहा, ''मेरे लिए यह सम्मान की बात है की टीम प्रबंधन ने एक ऐसे सलामी बल्लेबाज पर भरोसा दिखाया जो चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। मैंने अपनी इस भूमिका को इसी तरह से लिया।'' उन्होंने कहा, ''यह केवल शुरुआती 10 से 15 गेंद खेलने का मामला होता है और उसके बाद प्रक्रिया समान रहती है।'' दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 83 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली और विराट कोहली (102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन बनाए। गायकवाड़ ने कहा, ''एकदिवसीय प्रारूप में जब मैं पारी की शुरुआत करता था तब भी मैं हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता था कि मैं 45वें ओवर तक बल्लेबाजी कर सकूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि 11 से 40 ओवरों के बीच कैसे खेलना है, स्ट्राइक रोटेट कैसे करनी है और बाउंड्री के विकल्प क्या हैं। मुझे अपनी पारी आगे बढ़ाने के लिए खुद पर पूरा भरोसा था।''

गायकवाड़ चोटिल होने के कारण इस साल आईपीएल के सभी मैच में नहीं खेल पाए थे और उन्हें काफी समय तक बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि वह अतीत पर ध्यान नहीं देते और वर्तमान में रहने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, ''यही बेहतर होता है कि आप इस तरह की चीजों के बारे में अधिक नहीं सोचें क्योंकि अगर आप वर्तमान में नहीं हैं तो आपका ध्यान और तैयारी पर असर पड़ता है।

एरिगैसी ने आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स का खिताब जीता

जेरूशलम। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने यहां फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था। एरिगैसी ने बाद में कहा, ''यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के ख़िलाफ़) काफ़ी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के ख़िलाफ़ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज़ में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।'' इस जीत के साथ एरिगैसी को 55,000 अमेरिकी डॉलर, जबकि आनंद को 35,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

चेन्नई। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी। चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया।

भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा। यहां से कोई भी चूक भारत के नौ साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है।'' बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी।

बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। श्रीजीश ने कहा, ''जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।'' क्वार्टर फ़ाइनल के अन्य मैचों में स्पेन का सामना न्यूज़ीलैंड से, फ्रांस का सामना जर्मनी से और नीदरलैंड का सामना अर्जेंटीना से होगा।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

नेफ्रोप्लस का आईपीओ 10 दिसंबर को

नई दिल्ली। डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराने वाली कंपनी नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसेज लि. ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए मूल्य दायरा 438 से 460 रुपये प्रति शेयर रखा है। नेफ्रोप्लस ब्रांड से डायलिसिस केंद्र चलाने वाली हैदराबाद स्थित कंपनी का 871 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 दिसंबर को सार्वजनिक बोली के लिए खुलेगा और 12 दिसंबर को बंद होगा। एंकर यानी बड़े निवेश नौ दिसंबर को बोली लगाएंगे। आईपीओ में 353.4 करोड़ रुपये के नए शेयरों के निर्गम और 517.6 करोड़ रुपये मूल्य के 1.12 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश(ओएफएस) शामिल है। इससे कुल निर्गम का मूल्य 871 करोड़ रुपये बैठता है। ओएफएस के के तहत प्रवर्तक... इन्वेस्टकॉर्प प्राइवेट इक्विटी फंड II, हेल्थकेयर पैरेंट, इन्वेस्टकॉर्प ग्रोथ ऑपर्चुनिटी फंड, एडोरस इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड - अन्य शेयरधारकों - इन्वेस्टकॉर्प इंडिया प्राइवेट इक्विटी ऑपर्चुनिटी, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन और 360 वन स्पेशल ऑपर्चुनिटीज फंड्स... शेयर बेचेंगे। सेबी के पास जमा कंपनी की जानकारी से जुड़ी विवरण पुस्तिका के अनुसार, नए निर्गम में से, कंपनी 129.1 करोड़ रुपये का उपयोग भारत में नए डायलिसिस क्लीनिक खोलने, 136 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने और शेष राशि सामान्य कंपनी उद्देश्यों के लिए करेगी। नेफ्रोप्लस 17 दिसंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगी।

बीईएमएल को स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन बनाने के लिए 157 करोड़ रुपये का ऑर्डर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी बीईएमएल लि. ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे लोरम रेल मेंटेनेंस इंडिया प्राइवेट लि. से स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन बनाने का 157 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। ये विशेष मशीनें रेलवे पटरियों के रखरखाव में मदद करेंगी और सुरक्षित तथा सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करेंगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि ''बीईएमएल लि. को लोरम रेल मेंटेनेंस इंडिया प्राइवेट लि. से स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन बनाने का 157 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है।'' स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन विशेष रेलवे रखरखाव वाहन हैं। इसका उपयोग रेलवे ट्रैक को समतल करने के लिए किया जाता है। बीईएमएल लि. तीन प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों... रक्षा और एयरोस्पेस, खनन और निर्माण तथा रेल और मेट्रो... में काम करती है।

भारत और कनाडा ने व्यापार समझौते पर बातचीत की रूपरेखा पर चर्चा की

गोयल नए साल में कनाडा में हाई-लेवल ट्रेड, इन्वेस्टमेंट डेलीगेशन को लीड करेंगे

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की रूपरेखा, उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्ष हाल ही में इस समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''कनाडा के साथ व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री सिद्धू के साथ सार्थक बातचीत हुई। हमने सीईपीए वार्ता शुरू करने की तैयारियों के तहत समग्र दृष्टिकोण, रूपरेखा, व्यापक उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर शुरुआती और व्यापक चर्चा की।'' उन्होंने अगले साल कनाडा में एक उच्च-स्तरीय व्यापार और निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर भी सहमति जतायी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में, कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। उसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आई थी। उसके बाद कनाडा ने भारत के साथ समझौते पर बातचीत रोक दी थी। सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसके तहत दो देश अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। ये समझौते कुशल पेशेवरों की आवाजाही के मानदंडों को भी आसान बनाते हैं और निवेश आकर्षित करते हैं। इससे पहले, प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच छह से ज्यादा दौर की बातचीत हो चुकी थी। कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8 प्रतिशत बढ़कर 4.22 अरब डॉलर रहा जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। हालांकि, पिछले वित्त वर्ष में आयात 2.33 प्रतिशत घटकर 4.44 अरब डॉलर रहा, जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था।

एक साल में खत्म होगा मौजूदा टोल सिस्टम, लागू होगा नया इलेक्ट्रॉनिक मॉडल : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में घोषणा की कि देश में टोल कलेक्शन का मौजूदा सिस्टम एक वर्ष के भीतर समाप्त कर दिया जाएगा। इसकी जगह नया इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन मॉडल लागू किया जाएगा, जिससे हाई-वे उपयोगकर्ताओं को यात्रा के दौरान पूरी तरह बाधारहित और बेहतर अनुभव मिलेगा। गडकरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि यह नई प्रणाली प्रयोगात्मक रूप से 10 स्थानों पर शुरू की जा चुकी है और अगले एक वर्ष में इसे पूरे देश में विस्तारित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''यह टोल सिस्टम खत्म हो जाएगा। टोल के नाम पर आपको कोई नहीं रोकेगा। एक साल के अंदर पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन लागू कर दिया जाएगा।'' मंत्री ने कहा कि वर्तमान में देशभर में 10 लाख करोड़ रुपये लागत के 4,500 से अधिक हाई-वे परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में टोल नाकों पर रुकने की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।गडकरी ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत सड़क उपयोगकर्ताओं की केवल एंट्री दर्ज की जाएगी। नंबर प्लेट की फोटो और फास्टैग के माध्यम से स्वतः पहचान होगी और जहां से वाहन ने एंट्री ली है, वहीं से निर्धारित शुल्क सीधे बैंक खाते से कट जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह नई तकनीक पारदर्शिता और सुविधा दोनों को बढ़ाएगी और टोल प्लाज़ा पर लगने वाली भीड़ पूरी तरह खत्म कर देगी।

सिक्का ग्रुप ने समूह आवासीय परियोजना के लिए बिरला एस्टेट्स के साथ किया गठजोड़

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिक्का ग्रुप ने ग्रेटर नोएडा में समूह आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए बृहस्पतिवार को बिरला एस्टेट्स के साथ भागीदारी की घोषणा की। दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में कहा कि यह परियोजना सिक्का समूह के स्वामित्व वाले पांच एकड़ के भूखंड पर विकसित की जाएगी। कंपनी यह परियोजना बिरला एस्टेट्स के साथ मिलकर विकसित करेगी। परियोजना में आदित्य बिड़ला समूह की रियल एस्टेट इकाई बिरला एस्टेट्स लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी इस परियोजना के साथ पहली बार नोएडा में कदम रख रही है। मामले से जुडे लोगों के अनुसार, परियोजना के पूरा होने पर इसका सकल विकास मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। सिक्का ग्रुप के प्रबंध निदेशक हरविंदर सिंह सिक्का ने कहा, ''ग्रेटर नोएडा लंबे समय के लिए बेहद संभावनाओं वाला बाजार है। बिरला एस्टेट्स के साथ आने से परियोजना में विश्वसनीयता और गति दोनों जुड़ेंगी। हमें भरोसा है कि हम इसे समय पर और बेहतरीन गुणवत्ता के साथ पूरा करेंगे...।'' बयान के अनुसार, सिक्का ग्रुप के लिए यह गठजोड़ परियोजना को वित्तीय मजबूती और समय पर पूरा करने की क्षमता देगा। वहीं बिरला एस्टेट्स उन बाजारों में कदम बढ़ा रहा है, जहां अटकी पड़ी परियोजनाओं को मजबूत भागीदारी और प्राधिकरण के समर्थन से फिर से चालू किया जा रहा है।

फिच ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.4 फीसदी किया

नई दिल्ली। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी फिच रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमान को 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया। मुख्य रूप से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दरों में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत पर लाने गुंजाइश देती है। आरबीआई इस साल अब तक मुख्य नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। उसने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई जो इससे पिछली अप्रैल-जून तिमाही के 7.8 प्रतिशत थी। रेटिंग एजेंसी ने दिसंबर के लिए अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च के अंत तक) की शेष अवधि में वृद्धि धीमी रहेगी, लेकिन हमने पूरे वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान को सितंबर के 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है।'' इस वर्ष वृद्धि को मुख्य रूप से निजी उपभोक्ता खर्च गति दे रहा है। इसका कारण मजबूत वास्तविक आय गतिशीलता, उपभोक्ता धारणा में सुधार और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का प्रभाव है। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत लगभग 375 वस्तुओं पर कर की दरें कम की गई है। इससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। जीएसटी में संशोधित दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं। फिच को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि दर धीमी होकर 6.4 प्रतिशत रहेगी। इसने अनुमान लगाया है कि वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वित्त वर्ष (2026-27) की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आएगी। खाने-पीने की चीजों की कम कीमतों के कारण अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0.3 प्रतिशत के अबतक के सबसे निचले स्तर पर आ गई। फिच ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दर में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत करने की गुंजाइश देगी...।'' आरबीआई शुक्रवार को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। फिच के अनुसार, मुख्य मुद्रास्फीति में सुधार और गतिविधियों के मजबूत बने रहने के अनुमान के साथ आरबीआई नीतिगत दर में कटौती के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है और अगले दो साल तक नीतिगत दर 5.25 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

रश्मिका मंदाना ने तोड़ी शादी की अफवाहों पर चुप्पी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में रहते हैं। पहले दोनों की सगाई की खबरों ने फैंस में जबरदस्त उत्सुकता जगाई, और इसके बाद कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यह जोड़ी फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंध सकती है। सोशल मीडिया पर इन अफवाहों ने तूफान खड़ा कर दिया था, लेकिन अब रश्मिका ने खुद इस पर प्रतिक्रिया दी है।

रश्मिका की प्रतिक्रिया

दिए एक इंटरव्यू के दौरान रश्मिका ने शादी की खबरों पर साफ-साफ कुछ कहने से परहेज़ किया। जब उनसे इन अफवाहों की पुष्टि या खंडन करने को कहा गया, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ₹मैं शादी की पुष्टि या खंडन नहीं करना चाहती। प्रशंसकों के साथ कुछ भी शेयर करने से पहले मुझे थोड़ा समय चाहिए। जब इस बारे में बात करने का सही समय आएगा, तब हम जरूर बात करेंगे।₹ उनके इस जवाब ने न अफवाहों को पूरी तरह खारिज किया और न ही उन्हें सच ठहराया, जिससे फैंस की जिज्ञासा और बढ़ गई है।

शादी की तैयारियों की चर्चा

रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने दावा किया था कि रश्मिका और विजय की शादी को लेकर तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं। बताया गया कि दोनों ने उदयपुर में संभावित वेन्यूज़ का भी निरीक्षण किया है, जहां एक भव्य समारोह आयोजित होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि दोनों ने अक्टूबर में हैदराबाद में निजी तौर पर सगाई कर ली थी, हालांकि अब तक इस पर दोनों में से किसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। रश्मिका के जवाब के बाद एक बात तो साफ है, फैंस को अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि यह स्टार कपल अपनी निजी जिंदगी को लेकर फिलहाल चुप्पी साधे हुए है।

धनुष-कृति की 'तेरे इश्क में' बनी 100 करोड़ की ग्लोबल हिट

अभिनेत्री कृति सेनन की सफल फिल्मों में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी रोमांटिक-एक्शन फिल्म 'तेरे इश्क में' रिलीज के बाद से ही दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रही है। कृति और धनुष की फ्रेश जोड़ी को खूब सराहना मिल रही है और दोनों की ऑन-स्क्रीन कैमिस्ट्री दर्शकों का दिल जीत रही है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर छठे दिन मामूली गिरावट जरूर देखने को मिली, लेकिन वैश्विक स्तर पर फिल्म लगातार मजबूत कमाई कर रही है।

छठे दिन की कमाई

सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के छठे दिन 6.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसमें हिंदी बेल्ट से लगभग 6.4 करोड़ और तमिल वर्जन से 35 लाख रुपये शामिल हैं। कार्यदिवस होने के बावजूद गिरावट बहुत कम रही, जिससे साफ है कि फिल्म की गति अभी भी बरकरार है। भारत में 'तेरे इश्क में' का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बढ़कर 79.75 करोड़ रुपये हो चुका है।

दुनियाभर में 100 करोड़ क्लब में शामिल

रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने विदेशों में भी शानदार प्रदर्शन किया है और करीब 8 करोड़ रुपये की विदेशी कमाई के साथ पहले हफ्ते में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। सिर्फ भारत में ही 6 दिनों में फिल्म ने लगभग 79.75 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। यह धनुष के करियर की पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई है जिसने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। अब फिल्म की नजर भारत में भी 100 करोड़ क्लब में शामिल होने पर है, जिसकी उम्मीद जल्द ही पूरी होती दिख रही है।

कुब्रा सैत ने साझा किया जिंदगी और अभिनय से जुड़ा अनुभव

मुंबई। बेबाक अंदाज़, सच्चाई से भरी अदाकारी और जटिल किरदारों में पूरी तरह ढल जाने की क्षमता कुब्रा सैत ने अपने अभिनय से हमेशा दर्शकों को प्रभावित किया है। लेकिन उनकी असल ताकत सिर्फ उनके ऑन-स्क्रीन काम में नहीं, बल्कि उस भावनात्मक ईमानदारी में छिपी है जिसके बारे में वह अक्सर खुलकर बात करती हैं। हाल ही में एक बातचीत में कुब्रा ने उस अनुभव को साझा किया जिसने उनकी एक्टिंग और जीवन दोनों की दिशा बदल दी। कुब्रा ने बताया कि अभिनय की शुरुआत में उन्हें भावनाओं तक सही तरीके से पहुँचना सबसे बड़ी चुनौती लगता था। इसी दौर में उन्हें एक गहरा सबक मिला, जिसे वह आज भी अपनी सफलता की नींव मानती हैं। उन्होंने कहा कि एक सीन के दौरान कैमरे के सामने पहली बार उन्हें रोना था और वह बहुत घबराई हुई थीं। उसी समय निर्देशक अनुराग कश्यप ने उनकी ओर देखते हुए कहा "हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे भीतर की वह खिड़की खोलेंगे, जिससे भावनाएँ अंदर आ सकें। और आज रात के खत्म होने से पहले हम उसे बंद भी कर देंगे।" कुब्रा का कहना है कि यही वह क्षण था जब उन्होंने समझा कि एक्टर होने का मतलब सिर्फ भावनाओं तक पहुँचने की क्षमता नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित तरीके से संभालने की जिम्मेदारी भी है।ुब्रा कहती हैं कि हर इंसान के भीतर एक खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया का रास्ता खोलती है। अभिनय में आप उसे खोलते हैं, भीतर उतरते हैं और फिर वापस बंद कर देते हैं ताकि संतुलन बना रहे। लेकिन असल जिंदगी में यह अक्सर इतना आसान नहीं होता। दुनिया हमें हमेशा सजग रहने का समय नहीं देती और कई बार खिड़की की बजाय बाँध टूट जाता है। हम भावनाओं में बह जाते हैं, हल्की बेचैनी को भी 'ट्रिगर' कह देते हैं, जबकि वह हमारे वर्तमान की साधारण चिढ़ या थकान हो सकती है। कुब्रा मानती हैं कि यह समझना जरूरी है कि क्या अतीत हमें पीछे खींच रहा है और क्या वर्तमान सिर्फ अस्थायी असंतुलन है। यही पहचान हमें ज़मीन पर टिकाए रखती है। उनके शब्दों में "अगर आप अपनी भावनाओं के पास जाने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप एक्टर बन ही नहीं सकते। लेकिन उससे भी अहम बात है कि आप सीखें कि उन भावनाओं से वापस कैसे लौटना है।" कुब्रा का यह अनुभव याद दिलाता है कि अभिनय सिर्फ अभिव्यक्ति का कला रूप नहीं, बल्कि भावनाओं की जिम्मेदार यात्रा है। और असल में, यह सिर्फ एक्टिंग का सबक नहीं ज़िंदगी का सबसे बड़ा सबक है।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में एफ-16 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

ट्रोना (अमेरिका)। अमेरिकी वायुसेना के विशिष्ट 'थंडरबर्ड्स' दस्ते का एक लड़ाकू विमान दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के रेगिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि पायलट समय रहते सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने में सफल रहा। सेना ने यह जानकारी दी। सैन बर्नार्डिनो काउंटी के दमकल विभाग के अनुसार, पायलट का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उसे जानलेवा चोट नहीं लगी हैं। नेवादा में स्थित 'नेलिस एयर फ़ोर्स बेस' की ओर से जारी बयान के अनुसार, एफ-16सी फाइटिंग फाल्कन बुधवार सुबह लगभग 10:45 बजे कैलिफोर्निया में "नियंत्रित हवाई क्षेत्र" में प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दमकल विभाग ने बताया कि विमान लॉस एंजिलिस से 290 किलोमीटर उत्तर में स्थित मोजावे रेगिस्तान के ट्रोना के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इससे पहले 2022 में भी ट्रोना के पास नौसेना का एक एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें पायलट की मौत हो गई थी।

अमेरिका: गोलीबारी में 3 पुलिस अधिकारी घायल, हमलावर ढेर

ओमाहा (अमेरिका)। ओमाहा में एक गैस स्टेशन पर हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए, जबकि संदिग्ध हमलावर मारा गया। पुलिस प्रमुख टॉड श्माडरर ने बताया कि संदिग्ध हमलावर की उम्र 20 वर्ष के आसपास थी, जिसने दोपहर के समय किराने की दुकान पर पहले 61 वर्षीय व्यक्ति के सीने पर कई गोलियां मारी थीं। अधिकारियों ने घटनास्थल से संदिग्ध की कार की लाइसेंस प्लेट नंबर हासिल की और उसकी कार का पीछा करते हुए गैस स्टेशन तक पहुंचे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि बुधवार को अधिकारियों ने संदिग्ध को कार से उतरकर शौचालय में जाते हुए देखा। जब वह बाहर निकला, तो उसने अधिकारियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान दो अधिकारियों को गोली लगी और एक तीसरा अधिकारी छर्रे लगने से घायल हुआ। अधिकारियों की जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध हमलावर मारा गया।

बांग्लादेश में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके

ढाका। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके राजधानी ढाका और आसपास के जिलों में महसूस किये गए। समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 14 मिनट पर आया और उसका केंद्र नरसिंगडी में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि भूकंप से जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

नेपाल में संसदीय चुनाव की तैयारी के लिए सरकार ने बुलाई बैठक, होंगे कई अहम फैसले

राजनीतिक दल, निर्वाचन आयोग और सुरक्षा प्रमुखों की होगी संयुक्त बैठक

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने तय समय पर चुनाव होने को लेकर उत्पन्न आशंका के बीच सरकार ने शुक्रवार दोपहर 4 बजे प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर बैठक बुलाई है। विघटित प्रतिनिधि सभा के पांच बड़े दलों, निर्वाचन आयोग तथा सुरक्षा निकायों के प्रमुखों की संयुक्त बैठक में राजनीतिक दलों को आश्वस्त करने के साथ कई अहम फैसले लिए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री के निजी सचिव आदर्श श्रेष्ठ ने बताया कि चर्चा के लिए इन दलों के दूसरे स्तर के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। दलों ने भी अपने दूसरे स्तर के नेताओं को ही भेजने की तैयारी की है। इससे पहले हुई बैठकों में भी इन्हीं दलों के दूसरे स्तर के नेता बातचीत में शामिल होते रहे हैं। यह बैठक शुक्रवार दोपहर 4 बजे प्रधानमंत्री के सरकारी आवास बालुवाटार में आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा अन्य मंत्रियों की भी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने बताया कि चुनाव के अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने विघटित प्रतिनिधि सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख दल नेपाली कांग्रेस, नेकपा

एमाले, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के साथ विमर्श करने का निर्णय लिया है। बैठक में निर्वाचन आयोग के पदाधिकारी और चारों सुरक्षा निकायों के प्रमुख भी शामिल होंगे। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति महारथी अशोक राज सिग्देल, नेपाल पुलिस के आईजीपी दान बहादुर कार्की, सशस्त्र प्रहरी बल के आईजीपी राजू अर्याल और इंटेलीजेंस विभाग के प्रमुख निदेशक को बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है।

बांग्लादेशी न्यायाधिकरण ने अपदस्थ पीएम हसीना के बेटे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

ढाका। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासित बेटे साजिब वाजेद जॉय के खिलाफ बृहस्पतिवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह वारंट मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में उनकी मां को मौत की सजा सुनाने के एक महीने बाद जारी किया गया है। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) के एक अभियोजक ने संवाददाताओं को बताया, ₹न्यायाधिकरण ने जुलाई के विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध करने के लिए उनके (जॉय के) विरुद्ध दर्ज मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।₹ उन्होंने बताया कि आईसीटी मामलों के तत्कालीन कनिष्ठ मंत्री जुनैद अहमद पलक के विरुद्ध भी इसी प्रकार का वारंट जारी किया गया था। पलक पहले से ही जेल में हैं। आईसीटी-बीडी ने पूर्व प्रधानमंत्री और उनके तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन को दबाने के प्रयासों के लिए मौत की सजा सुनाई। यह फैसला उनकी गैर हाजिरी में सुनाया गया है। जॉय (54) सूचना संचार विशेषज्ञ हैं, जो पूर्व प्रधानमंत्री के आईसीटी मामलों के सलाहकार के रूप में कार्य कर चुके हैं, वर्तमान में अमेरिका में रहते हैं। छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के कारण पांच अगस्त 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी और उन्हें देश छोड़कर भागना पड़ा। इस प्रदर्शन को जुलाई विद्रोह नाम से जाना जाता है। वहीं, जनवरी में प्रोफेसर मोहम्मद के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने ₹जुलाई योद्धाओं₹ की 834 मौतों की सूची प्रकाशित की। आईसीटी-बीडी ने आंदोलन के दौरान कर्फ्यू लगाए जाने के बाद हुए ₹सामूहिक हत्याकांड₹ पर दायर एक अलग मामले में बृहस्पतिवार को पूर्व कानून मंत्री अनीस-उल-हक और पूर्व प्रधानमंत्री के निवेश सलाहकार सलमान एफ रहमान के खिलाफ औपचारिक आरोप स्वीकार कर लिए। दोनों पहले से ही जेल में हैं।

भारत ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका को सचल पुल प्रणाली और जलशोधन इकाईयां भेजीं

कोलंबो। भारत ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका के लिये सचल मॉड्यूलर पुल प्रणाली और सैकड़ों जल शोधन इकाईयां हवाईमार्ग से भेजी हैं। भारतीय मिशन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मिशन की तरफ से बताया गया कि यह सहायता अलग-थलग पड़े समुदायों को जोड़ने और आवश्यक सेवाएं बहाल करने के लिए मानवीय समर्थन का हिस्सा है। चक्रवात 'दित्वा' के कारण बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे श्रीलंका में अवसंरचनाएं ध्वस्त होने से कई जिले अलग-थलग पड़ गए हैं। 16 नवंबर से लगातार बनी इन अत्यधिक खराब मौसमी स्थितियों के कारण बुधवार शाम तक कम से कम 479 लोगों की जान जा चुकी है और 350 लापता हैं। भारतीय

उच्चायोग ने बताया कि कोलंबो के अनुरोध पर भारतीय वायु सेना का एक सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान बुधवार को बेली ब्रिज प्रणाली के साथ 500 जल शोधन इकाईयां लेकर पहुंचा। मिशन ने कहा, ₹क्षतिग्रस्त पुलों को बदलने के लिए यह विशाल संरचना कुछ ही घंटों में स्थापित की जा सकती है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं की पहुंच मज़बूत होगी।₹ पुल को स्थापित करने के लिए विमान में विशेषज्ञ इंजीनियरों सहित 22 कर्मी और पहले तैनात किए गए फील्ड अस्पताल की सहायता के लिए एक मेडिकल टीम भी भेजी गई है। भारत ने अपने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत यह मानवीय सहायता भेजी है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भारत के अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय आपदा राहत सेवा केंद्र (एनडीआरएससी) के सहायक सचिव जयतिस्सा मुनसिंघे के अनुसार, बुधवार रात तक 4,55,000 से अधिक परिवारों के 16 लाख से अधिक लोग बाढ़ से घिरे हुए थे। अधिकारियों ने कुल छह से सात अरब अमेरिकी डॉलर के बीच आर्थिक नुकसान होने का अनुमान लगाया है।

इजराइल ने चरमपंथियों के हमले के बाद दक्षिणी गाजा में हवाई हमला किया

यरूशलम। इजराइल ने कहा कि उसने चरमपंथियों के हमले में पांच सैनिकों के घायल होने के बाद पूर्वी गाजा में हमास के खिलाफ हवाई हमले किए हैं। बुधवार देर रात हुए इस हमले को दोनों पक्षों के बीच जारी संघर्ष विराम के लिए एक नयी परीक्षा माना जा रहा है, जो इजराइल और हमास दोनों की ओर से संघर्ष विराम उल्लंघन किए जाने के आरोप-प्रत्यारोपों के बीच अक्टूबर की शुरूआत से जारी है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास ने बुधवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। सेना के अनुसार, चरमपंथी एक भूमिगत सुरंग से निकले और अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में इजराइली सैनिकों पर हमला किया। इजराइली सेना ने कहा कि गाजा के दक्षिणी शहर रफह में भूमिगत सुरंग से चरमपंथियों द्वारा किए गए हमले में पांच इजराइली सैनिक घायल हो गए, जिनमें से एक गंभीर रूप से जख्मी है। सेना ने अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में हुए इस हमले को संघर्ष विराम का उल्लंघन बताया और कहा कि उसने जवाबी हमला किया है।

गाजा शहर में इजराइली हमले में फलस्तीनी व्यक्ति की मौत हो गई। एक अस्पताल ने यह जानकारी दी। अल-अहली अस्पताल के अनुसार इजराइली सैनिकों ने पड़ोसी जैतून इलाके में 46 वर्षीय व्यक्ति को गोली मार दी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। इजराइली सेना से इस हमले पर प्रतिक्रिया के लिए अनुरोध किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।